शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 212 | गुवाहाटी | मंगलवार, 4 मार्च, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

एडवांटेज असम 2.0 में बराक घाटी को अनदेखी की गई : सुस्मिता पेज 2
कांग्रेस ने शर्म छुपाने के लिए गीता के श्लोकों रवींद्रनाथ के गीतों का... पेज 3
विधानसभा में हंगामा : कांग्रेस विधायक की गाली, जेल सुरक्षा पर उठा सवाल पेज 5
चैंपियंस ट्रॉफी : सेमीफाइनल में भारत-ऑस्ट्रेलिया की टक्कर, न्यूजीलैंड और... पेज 7

राज्य में 85 हजार से अधिक विदेशी नागरिक लापता : सीएम

गुवाहाटी। असम सरकार ने खुलासा किया है कि 2016 से 85,024 से अधिक घोषित विदेशी नागरिक लापता हैं। राज्य के गृह विभाग ने सोमवार को असम विधानसभा में बजट सत्र के पांचवें दिन यह बयान दिया। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, जो गृह विभाग की भी देखरेख करते हैं, ने कांग्रेस विधायक रेकीबुद्दीन अहमद के एक अतारांकित प्रश्न के उत्तर में ये आंकड़े दिए। इस अवधि के दौरान, अधिकारियों ने 657 बांग्लादेशियों, 223 म्यांमार के नागरिकों, 11 नाइजीरियाई, 2 यूक्रेनियन और पाकिस्तान, युगांडा, केनवा और सेनेगल के व्यक्तियों को हिरासत में लिया। हालांकि, उनमें से केवल एक अंश – 259 बांग्लादेशी, 30 म्यांमारी, 1 पाकिस्तानी, 1 युगांडा, 11 नाइजीरियाई, 1 यूक्रेनी और 1 केन्याई – को अब तक निर्वासित किया गया है। वर्तमान में, 258 विदेशी नागरिक ग्वालपाड़ा के मटिया डिटेंशन कैंप में बंद हैं, जिनके रखरखाव पर सरकार 160 लाख खर्च कर रही है। उम्मीद है कि उनके संबंधित उच्चायोगों द्वारा ट्रांजिट पास जारी किए जाने के बाद उन्हें निर्वासित कर दिया जाएगा। एक अन्य जांच के जवाब में, सरकार ने कहा कि वकील मृदुल इस्लान के परिवार को कोई मुआवजा नहीं दिया गया है, जिनकी 18 दिसंबर, 2024 को राजभवन के बाहर कांग्रेस के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शन के दौरान मृत्यु हो गई थी। सेंट्रल गुवाहाटी पुलिस डिस्ट्रिक्ट (सीजीपीडी) के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) द्वारा की गई जांच ने निष्कर्ष निकाला कि इस्लाम की मौत पुलिस कार्रवाई के कारण नहीं हुई थी। असम, जो बांग्लादेश के साथ चार -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में 2.4 लाख से ज्यादा डी-वोटर मामले दर्ज किए गए, 43 हजार विदेशी पहचाने गए

गुवाहाटी। असम सरकार के गृह विभाग ने असम विधानसभा को सूचित किया है कि 31 जनवरी 2025 तक असम समझौते के तहत कुल 1,65,992 व्यक्तियों की पहचान विदेशी के रूप में की गई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, विदेशी न्यायाधिकरण में 2,44,144 डी-वोटर मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 1,54,818 मामलों का निपटारा किया जा चुका है। इनमें से 42,989 व्यक्तियों को विदेशी घोषित किया गया। इसके अलावा, सीमा पुलिस जांच के कारण 4,36,046 मामलों को न्यायाधिकरण को भेजा गया, जिसमें से 348,014 मामलों का निपटारा किया गया, जिसमें 1,65,992 लोगों के विदेशी होने की पुष्टि -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य का बजट गरीबों, मध्यम वर्ग और युवाओं का बोझ कम करेगा : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने घोषणा की है कि आगामी राज्य बजट में गरीबों, मध्यम वर्ग और शिक्षित युवाओं को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से नीतियां पेश की जाएंगी। 10 मार्च को विधानसभा में पेश किया जाने वाला बजट फरवरी में पेश किए जाने वाले केंद्रीय बजट 2025-26 के विजन के अनुरूप होगा। सोशल मीडिया पर लाइव बोलते हुए शर्मा ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को राहत प्रदान करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हम राज्य के बजट में कई नई नीतियां और योजनाएं पेश करने की योजना बना रहे हैं, जिससे असम के गरीब और मध्यम वर्ग पर बोझ कम होगा। जिस तरह प्रधानमंत्री ने प्रति वर्ष 12 लाख रुपए तक की आय वाले व्यक्तियों के लिए आयकर माफ किया है, हमारा लक्ष्य राज्य की नीतियों के माध्यम से भी इसी तरह की राहत पहुंचाना है। मुख्यमंत्री ने बुनियादी ढांचे को भी एक प्रमुख प्राथमिकता बताया और असम के विकास के लिए इसके महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नए असम के निर्माण के लिए हमें मजबूत बुनियादी ढांचे -शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय : दो सप्ताह में सीमा पर नौ बांग्लादेशी समेत 11 लोग गिरफ्तार

शिलांग। मेघालय में पिछले दो सप्ताह में भारत-बांग्लादेश सीमा पर नौ बांग्लादेशी नागरिकों सहित 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 2.1 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। सुरक्षा एजेंसियों ने वैध दस्तावेजों के बिना देश में घुसने पर नौ बांग्लादेशी नागरिकों को और विदेशी नागरिकों को सीमा पार कराने में मदद करने के आरोप में दो दलालों को गिरफ्तार -शेष पृष्ठ दो पर

राकेश पाल को एपीएससी अध्यक्ष नियुक्त करने के लिए कांग्रेस माफी मांगे : डॉ. शर्मा

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने असम प्रदेश कांग्रेस से राकेश पॉल की एपीएससी अध्यक्ष पद पर नियुक्ति को लेकर राज्य के बेरोजगार युवाओं से माफी मांगने की मांग की। सोमवार को विधानसभा में बजट सत्र के दौरान एक बार फिर मुख्यमंत्री ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के विवाह उपहार का मुद्दा उठाया। उन्होंने सवाल किया कि गोगोई अब तक यह क्यों नहीं कह रहे हैं कि राकेश पॉल ने उनके विवाह में तीन लाख रुपए मूल्य के गहने उपहार में नहीं दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिप्लब कुमार शर्मा की रिपोर्ट प्रकाशित हुए 20 दिन हो गए, फिर भी गौरव गोगोई ने इन आरोपों का खंडन नहीं किया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में सरकार पहले ही आयकर विभाग को पत्र लिख चुकी है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि अखिल गोगोई को लेकर मीडिया में बहुत रिपोर्टिंग हुई, लेकिन गौरव गोगोई पर नहीं, क्योंकि अखिल गोगोई साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं। एपीएससी जांच पर विपक्ष -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

लगातार श्रम करना ही आपकी सफलता का साथी है, इसलिए श्रम को सकारात्मक बनाएं विनाशक नहीं। श्रम एक अपराधी भी करता है, लेकिन उसका लक्ष्य सिर्फ किसी को नुकसान पहुंचाना या फिर उसकी जान लेना ही होता है।

– **अब्दुल कलाम**

अल्फा-आई के खिलाफ संयुक्त अभियान शुरू

गुवाहाटी। असम राइफल्स और अरुणाचल प्रदेश पुलिस ने पूर्वी अरुणाचल प्रदेश के नामसाई और चांगलांग जिलों में फैले मनाभूम रिजर्व फॉरेस्ट में एक महत्वपूर्ण आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू किया है। यह अभियान विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर चलाया गया है, जिसमें जंगल में यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम-इंडिपेंडेंट (अल्फा-आई) के आठ से दस कैडरों के भारी हथियारों से लैस समूह की मौजूदगी का संकेत दिया गया है। नामसाई जिले के पुलिस अधीक्षक सांगे थिनले ने चल रहे अभियान की पुष्टि करते हुए कहा कि रिजर्व वन में प्रवेश और -शेष पृष्ठ दो पर

हिंदुस्तान पावर ने राज्य सरकार के साथ 620 करोड़ रुपए की परियोजनाओं के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

गुवाहाटी। हिंदुस्तान पावर द्वारा अत्याधुनिक बिजली और बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं में 620 करोड़ रुपए निवेश करने की घोषणा के बाद असम की नवीकरणीय ऊर्जा आकांक्षाओं को एक नया बढ़ावा मिला है। कंपनी ने हाल ही में गुवाहाटी में आयोजित एडवांटेज असम 2.0 निवेश और अवसंरचना शिखर सम्मेलन में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे टिकाऊ ऊर्जा समाधानों में तेजी लाने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता मजबूत हुई है। हिंदुस्तान पावर एक अग्रणी स्वतंत्र विद्युत उत्पादक कंपनी है, जिसके पास नवीकरणीय और संक्रमणकालीन विद्युत उत्पादन परिसंपत्तियों का वैश्विक पोर्टफोलियो है, तथा इसका ध्यान उच्च विकास वाले भारतीय बाजार पर है। अगले तीन वर्षों में 5 गीगावाट ऊर्जा पोर्टफोलियो हासिल करने की हिंदुस्तान पावर की महत्वाकांक्षी दृष्टि के अनुरूप, यह निवेश एक 100 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र के साथ-साथ एक अत्याधुनिक 100 मेगावाट बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के विकास को बढ़ावा देगा। कंपनी के अध्यक्ष रतुल पुरी ने कहा कि वे सौर संयंत्र के लिए 500 करोड़ रुपए और बैटरी भंडारण सुविधा के लिए 120 करोड़ रुपए का निवेश करेंगे, जो असम की नवीकरणीय ऊर्जा यात्रा में एक परिवर्तनकारी कदम होगा। उन्होंने कहा कि असम सरकार के सहयोग से -शेष पृष्ठ दो पर

अमर्त्य सेन ने की बांग्लादेश में हिंदू उत्पीड़न की तीखी निंदा

कोलकाता (हि.स.)। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार, मंदिरों में तोड़फोड़, हत्याओं और दुष्कर्म की बढ़ती घटनाओं पर नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने गहरी चिंता जताई है। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे हमलों की कड़ी आलोचना करते हुए साफ कहा कि इन घटनाओं के लिए कट्टरपंथी संगठन जमात-ए-इस्लामी जिम्मेदार है। साथ ही उन्होंने मौजूदा यूनुस सरकार की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। अमर्त्य सेन के इस बयान के बाद बांग्लादेश में कट्टरपंथी संगठन आगबबूला हो गए हैं और उन पर तीखे हमले कर रहे हैं। अमर्त्य सेन ने कहा कि बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति उन्हें गहरी चिंता में डालती है। मैं बंगाली हूं और बचपन में -शेष पृष्ठ दो पर

भारत 2027 तक दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में अपना स्थान बना लेगा : राजनाथ

नई दिल्ली (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोगों से सैनिकों और उनके परिजनों के कल्याण में पूरे दिल से योगदान देने का आह्वान किया है। उन्होंने इसे प्रत्येक नागरिक का राष्ट्रीय कर्तव्य बताया है। भारत के सैनिक हमेशा कठिन परिस्थितियों में देश की सीमाओं पर दृढ़, सतर्क और तैयार रहते हैं तथा साहस और तत्परता के साथ देश को सभी प्रकार के खतरों से बचाते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि आगे बढ़कर हर संभव तरीके से उनका समर्थन करना राष्ट्र की सामूहिक जिम्मेदारी है। नई दिल्ली में सोमवार को सशस्त्र सेना झंडा दिवस कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (एएफएफडी सीएसआर) सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार भारत की सुरक्षा प्रणाली को मजबूत करने तथा अपने सैनिकों के साथ ही उनके परिजनों का कल्याण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। राजनाथ सिंह ने कहा कि सीएसआर का मतलब सिर्फ 2 प्रतिशत योगदान -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्र सरकार आदिवासियों के अधिकारों को संरक्षित करे : कांग्रेस

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस ने केंद्र सरकार से आदिवासियों के अधिकारों को सुनिश्चित करने की मांग की है। इसके साथ ही जल-जंगल-जमीन की लड़ाई लड़ रहे लोगों की मांगें स्वीकार करने, गोंडी भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने और 9 अगस्त (विश्व आदिवासी दिवस) को सार्वजनिक अवकाश घोषित किए जाने की मांग की है। आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष एवं झाबुआ के विधायक डा. विक्रांत भूरिया ने आज यहां कांग्रेस -शेष पृष्ठ दो पर

बजट में हर वर्ग के लोगों का रखा गया ख्याल : मुख्यमंत्री

पटना (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बजट में किसानों, उद्यमियों, युवाओं एवं महिलाओं सहित समाज के हर वर्ग के लोगों का ख्याल रखा गया है। इस साल बिहार का बजट 3 लाख 17 हजार करोड़ रुपए का है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में बिहार की विकास दर 14.5 प्रतिशत रही है। वह बिहार विधान सभा में सोमवार को पेश बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रस्तुत बिहार बजट (2025-26) न्याय के साथ विकास के हमारे -शेष पृष्ठ दो पर

देश के विकास को गति देता है डेयरी क्षेत्र : अमित शाह

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि डेयरी क्षेत्र देश के विकास को गति देने में अहम भूमिका निभाता है। ऐसे में डेयरी क्षेत्र में सभी संभावनाओं का पता लगाने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाना होगा। केंद्रीय मंत्री शाह नई दिल्ली के भारत मंडपम में डेयरी क्षेत्र में सस्टेनेबिलिटी और सर्कुलरिटी विषय पर आयोजित सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान अमित शाह ने डेयरी क्षेत्र के समग्र विकास के लिए एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सर्कुलरिटी पर आधारित मार्गदर्शिका का विमोचन किया। यह मार्गदर्शिका जैविक खाद के उपयोग -शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्रपति ने उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों से कहा-

भारत को ज्ञान अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करने में आपकी भूमिका निर्णायक

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रमुखों से कहा है कि भारत को ज्ञान अर्थव्यवस्था के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य प्राप्त करने में आपकी निर्णायक भूमिका है। उन्होंने शिक्षण के साथ-साथ शोधकार्य पर भी ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। राष्ट्रपति मुर्मु सोमवार को राष्ट्रपति भवन में दो दिवसीय विजिटर कांफ्रेंस 2024-25 के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रही थीं। राष्ट्रपति 184 केंद्रीय उच्च शिक्षा संस्थानों की विजिटर हैं। इस मौके पर राष्ट्रपति ने 8वें विजिटर अवार्ड-2023 के पांच विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। राष्ट्रपति ने उद्घाटन भाषण में कहा कि किसी भी देश के विकास का स्तर उस देश की शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता में साफ झलकता है। उन्होंने उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रमुखों से कहा कि भारत को ज्ञान अर्थव्यवस्था के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में -शेष पृष्ठ दो पर

आज बड़ा धमाका होगा...

डोनाल्ड ट्रंप के एलान से पूरी दुनिया में हलचल

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने एक पोस्ट से हलचल तेज कर दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर पोस्ट में कहा है कि कल की रात बहुत बड़ी होने वाली है। इस बारे में मैं ठीक वैसे ही बताऊंगा जैसे कि ये है। इस पोस्ट के बाद पूरी दुनिया में ये चर्चा तेज है कि क्या ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से बदला लेने की तैयारी कर ली है या पुतिन के साथ मीटिंग करके कोई नया *बम* फोड़ने वाले हैं? डोनाल्ड ट्रंप ने इस पोस्ट से एक घंटे पहले भी एक पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने कहा कि एकमात्र राष्ट्रपति जिसने यूक्रेन की कोई भी जमीन रूस को नहीं दी, वो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हैं। याद रखें कि जब कमजोर और अप्रभावी डेमोक्रेट आलोचना करते हैं, फेक न्यूज खुशी-खुशी उनकी कही गई हर बात को सामने रख देती है! खबरों के मुताबिक, ट्रंप यूक्रेन को अमेरिकी सैन्य सहायता कैंसल करने पर चर्चा करने के लिए अपने सहयोगियों के साथ बैठक करेंगे। ये मदद पिछले प्रशासन के दौरान आवंटित की गई थी। ट्रंप प्रशासन के एक अधिकारी ने कहा कि अमेरिकी -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

एडवांटेज असम 2.0 में बराक घाटी को अनदेखी की गई : सुस्मिता

सिलचर। राज्यसभा सांसद और अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) की वरिष्ठ नेता सुस्मिता देव ने हाल ही में संपन्न एडवांटेज असम 2.0 में बराक घाटी की व्यापार क्षमता को प्रदर्शित करने में विफल रहने के लिए असम सरकार की आलोचना की है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य द्वारा लगभग 5 लाख करोड़ रुपए के निवेश की प्रतिबद्धता हासिल करने के बावजूद, दक्षिण पूर्व एशिया के साथ व्यापार के लिए बराक घाटी की रणनीतिक स्थिति को नजरअंदाज कर दिया गया। देव ने रविवार को कहा कि म्यांमार और थाईलैंड जैसे देश असम के दक्षिण में स्थित हैं और यदि राज्य दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ व्यापार का विस्तार करना चाहता है, तो सिलचर अपनी भौगोलिक निकटता के कारण आदर्श मार्ग बिंदु होगा। उन्होंने स्वीकार किया कि बंगाईगांव के रास्ते धुबड़ी के माध्यम से बांग्लादेश के साथ व्यापार को सुगम बनाया जा सकता है, तथापि उन्होंने तर्क दिया कि चटगांव और म्यांमार के बंदरगाहों तक पहुंच के कारण बराक घाटी अधिक लाभप्रद स्थिति में है। उन्होंने कहा कि हालांकि, ऐसी पहल के लिए कोई दूरदर्शिता नहीं दिखती है। उन्होंने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से घाटी की आर्थिक क्षमता को पहचानने का आग्रह किया। देव ने परिवहन सब्सिडी में वृद्धि और विनिर्माण उद्योगों की स्थापना के माध्यम से बराक घाटी की स्थानीय असुविधाओं को दूर करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने क्षेत्र के आर्थिक विकास में सार्वजनिक क्षेत्र की भागीदारी के महत्व को दोहराया तथा कछार पेपर मिल के बंद होने को *ऐतिहासिक भूल* बताया। उन्होंने सुझाव दिया कि अब बंद हो चुकी मिल परिसर को बायोगैस उद्योग के लिए पुन: उपयोग में लाया जा सकता था, जो क्षेत्र के लिए अधिक लाभकारी होता। भाजपा पर निशाना साधते हुए देव ने याद दिलाया कि पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने बराक घाटी में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) का वादा किया था, जो अब तक पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने सिलचर-एजल सड़क की खराब स्थिति पर भी प्रकाश डाला और कहा कि इससे म्यांमार के साथ व्यापार बाधित हो रहा है। मेघालय में पंचग्राम और बारापानी के माध्यम से सिलचर को गुवाहाटी से जोड़ने वाली 25,000 करोड़ रुपए की हाई-स्पीड सड़क परियोजना की घोषणा के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को धन्यवाद देते हुए, देव ने दावा किया कि यह परियोजना मुख्य रूप से बराक घाटी की समग्र व्यापार संभावनाओं के बजाय मेघालय में सीमेंट उद्योगों को लाभान्वित करेगी। उन्होंने 2017 में आयोजित नमामि बराक महोत्सव को भी याद किया, जहां असम सरकार ने एक्ट ईस्ट नीति के तहत क्षेत्र में आर्थिक विकास का वादा किया था।

मायावती ने आकाश आनंद को पार्टी से निकाला

लखनऊ (हिंस)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से भी निष्कासित कर दिया है। इससे पहले रविवार को हुई बैठक में उन्हें सभी पदों से मुक्त किया गया था। इसके बाद आकाश आनंद की प्रतिक्रिया के बाद बसपा प्रमुख ने यह निर्णय लिया है। मायावती ने सोमवार दोपहर एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि रविवार को बसपा की आल-इंडिया की बैठक में आकाश आनंद को पार्टी हित से अधिक पार्टी से निष्कासित अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के प्रभाव में लगातार बने रहने के कारण नेशनल कोआर्डिनेटर सहित सभी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया था, जिसका उसे पश्चाताप करके अपनी परिपक्वता दिखानी थी। लेकिन इसके विपरीत आकाश ने जो अपनी लंबी-चौड़ी प्रतिक्रिया दी है, वह उसके पछतावे व राजनीतिक परिपक्वता का नहीं, बल्कि उसके ससुर के ही प्रभाव वाला ज्यादातर स्वार्थी, अहंकारी व गैर-मिशनरी है। जिससे बचने की सलाह मैं पार्टी के ऐसे सभी लोगों को देने के साथ दंडित भी करती रही हूं।

खनन विभाग की फर्जी साइट बनाकर लगाया लाखों का चूना, एक गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस ने खनन विभाग की फर्जी साइट बनाकर सरकारी खजाने को पचास लाख रुपए का चूना लगाने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस गंभीरता से जांच में जुटी है। पूछताछ में कई बड़े खुलासे होने की उम्मीद है। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने उक्त जानकारी सोमवार को सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से दी। पंजाब सरकार ने हाई कोर्ट में चल खनन केस की सुनवाई के दौरान बताया था कि विभाग ने अवैध खनन को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। कुछ लोगों ने विभाग की वेबसाइट से मिलती-जुलती फर्जी वेबसाइट बना ली हैं। वहां से अवैध तरीके से खनन परमिट जारी किए जा रहे हैं। सुनवाई के बाद स्टेट साइबर सेल में इसको लेकर केस दर्ज किया गया। जिसके बाद यह केस दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि साइबर सेल ने जांच में खुलासा हुआ कि यह पूरी तरह प्लानिंग से काम किया गया है।

भारत और नेपाल के बीच जल व स्वच्छता सहयोग को मजबूत करने को लेकर हुआ करार

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत और नेपाल ने आज अपशिष्ट प्रबंधन सहित जल, स्वच्छता और आरोग्य क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता यहां सुषमा स्वराज भवन में भारत सरकार के केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल और नेपाल सरकार के जल आपूर्ति मंत्री प्रदीप यादव की उपस्थिति में हुआ। समझौते का उद्देश्य दोनों देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना और आरोग्य क्षेत्र में अंतर-सरकारी सहयोग को मजबूत करना है, जिससे उनकी आबादी के लिए स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित हो सके। व्यापक समझौता ज्ञापन में कई प्रमुख क्षेत्रों को शामिल करते हुए एक सहयोगात्मक रूप-रेखा तय की गई है। इसमें क्षमता निर्माण के तहत जल संसाधन प्रबंधन और संबंधित क्षेत्रों में नेपाली कर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम और प्रौद्योगिकी और ज्ञान हस्तांतरण के तहत भारत और नेपाल के बीच आरोग्य क्षेत्र में तकनीकी विशेषज्ञता और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना है। इसके अलावा भूजल प्रबंधन के तहत गुणवत्ता सुधार, कृत्रिम पुनर्भरण और वर्षा जल संचयन सहित भूजल संसाधनों की निगरानी, मूल्यांकन और प्रबंधन में संयुक्त प्रयास साझा करना है। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने सभी नागरिकों को स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता सुविधाएं प्रदान करने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। पाटिल ने जोर देकर कहा कि यह समझौता ज्ञापन सार्वजनिक स्वास्थ्य, स्थिरता और क्षेत्रीय सहयोग के प्रति भारत और नेपाल की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नेपाल के जल आपूर्ति मंत्री प्रदीप यादव ने बड़े पैमाने पर स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता पहलों को लागू करने में भारत की सफलता की सराहना की। उन्होंने कहा कि नेपाल इन क्षेत्रों में भारत के अनुभव से सीखने के लिए उत्सुक है और नेपाली अधिकारी अंतर्दृष्टि और सर्वोत्तम प्रथाओं को प्राप्त करने के लिए भारत में प्रमुख स्थलों का दौरा करेंगे। उन्होंने आगे प्रस्ताव दिया कि स्थिर प्रगति और ज्ञान के पारस्परिक आदान-प्रदान को सुनिश्चित करने के लिए नियमित बैठकें आयोजित की जानी चाहिए।

पृष्ठ एक का शेष

राज्य में 85 हजार...

जिलों में 291.959 किलोमीटर की सीमा साझा करता है – जिसमें 170.3004 किलोमीटर भूमि सीमा और 121.659 किलोमीटर नदी सीमा शामिल है – ने 225.775 किलोमीटर की बाड़ लगाई है, जबकि 66.184 किलोमीटर की बाड़ नहीं लगी है। सरकार ने बताया कि असम समझौते के तहत 1,65,692 विदेशी नागरिकों की पहचान की गई है। मुख्य आंकड़ों में 2,44,144 डी-वोटर मामले विदेशी न्यायाधिकरणों (एफटी) को भेजे गए, जिसके परिणामस्वरूप 42,989 को विदेशी नागरिक घोषित किया गया। इसके अतिरिक्त, सीमा पुलिस द्वारा 4,36,046 मामले एफटी को भेजे गए, जिसके परिणामस्वरूप 1,65,992 विदेशी घोषित किए गए। असम समझौते के तहत, 39,115 विदेशी नागरिकों को निर्वासित किया गया, और 59 घोषित विदेशी पारगमन शिविरों में रह रहे हैं। 2016 से 23 फरवरी, 2025 के बीच, असम में पुलिस कार्रवाई के कारण 136 मौतें और 189 घायल हुए। विधायक रेकीबुद्दीन अहमद के सवाल के जवाब में प्रस्तुत आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार, इस अवधि के दौरान अपराधियों के खिलाफ कुल 285 पुलिस अभियान चलाए गए। लापता विदेशी नागरिकों की चौंका देने वाली संख्या और सीमा सुरक्षा, निर्वासन और पुलिस कार्रवाई के बारे में जारी चिंताओं के कारण, असम सरकार को इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर दबावपूर्ण प्रश्नों का सामना करना पड़ रहा है।

राज्य में 2.4 लाख से ज्यादा...

हुई। असम समझौते के तहत 30,115 विदेशियों को वापस भेजा गया है और 31 जनवरी 2025 तक 59 घोषित विदेशी वर्तमान में हिरासत केंद्रों में बंद हैं। इसके अलावा, 24 फरवरी 2025 तक 258 व्यक्ति ट्रांजिट कैंपों में बंद हैं। उनमें से 30 विदेशियों को वापस भेजा गया है, जबकि उच्च न्यायालय द्वारा भारतीय नागरिक के रूप में पहचाने गए 81 व्यक्तियों को रिहा कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के बाद 273 व्यक्तियों को तीन साल के लिए जमानत दी गई है और 527 को दो साल के लिए जमानत पर रिहा किया गया है। इस बीच, चुनाव विभाग ने बताया है कि असम में वर्तमान में 1,18,134 डी मतदाता हैं।

हिंदुस्तान पावर ने राज्य...

विकसित की जाने वाली ये परियोजनाएं न केवल राज्य के ऊर्जा बुनियादी ढांचे को बढ़ाएंगी, बल्कि 5,000 से अधिक मानव दिवसों का रोजगार भी पैदा करेंगी, जिससे आर्थिक विकास और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि हिंदुस्तान पावर वर्ष 2016 में असम में एक बड़ा सौर ऊर्जा संयंत्र विकसित करने वाली पहली कंपनी थी, और कंपनी अक्षय ऊर्जा के नए युग में राज्य की विकास यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि असम का गतिशील परिदृश्य अविश्वसनीय अवसर प्रस्तुत करता है, और कंपनी राज्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को गहरा करने, इसकी विशाल क्षमता का दोहन करने और इसके महत्वाकांक्षी अक्षय ऊर्जा लक्ष्यों में योगदान देने के लिए उत्साहित है। यहां यह उल्लेख करना उचित होगा कि हिंदुस्तान पावर ने भारत का पहला 5 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र और एशिया की पहली 30 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना विकसित करके उद्योग मानकों में अग्रणी भूमिका निभाई है। पुरी ने कहा कि घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में मजबूत उपस्थिति के साथ, कंपनी ने भारत, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका में परियोजनाओं को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया है। नवाचार को स्थिरता के साथ सम्मिश्रित करके, यह वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन में अग्रणी बना हुआ है, तथा नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में अपनी स्थिति को सुदृढ़ कर रहा है।

राज्य का बजट ...

की आवश्यकता है। इस साल के बजट में राज्य के विकास को गति देने के लिए कई बुनियादी ढांचे से संबंधित परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार की जाएगी। असम के युवाओं के लिए अवसर पैदा करने पर मुख्य ध्यान दिया जाएगा। शर्मा ने कहा कि युवा अब *बंदूकों और हथगोले* से नहीं जुड़ेंगे, बल्कि उद्योग 4.0 कौशल से जुड़ेंगे जो समृद्धि सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि नए उद्योगों और बुनियादी ढांचे के विकास से राज्य के भीतर रोजगार के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र विकसित होगा, जिससे रिवर्स माइग्रेशन को बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय बजट 2025-26 में पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (डोनर) के लिए वित्त पोषण में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है, जिसमें वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 5,915 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं – जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 47 प्रतिशत अधिक है। शर्मा ने दोहराया कि असम का राज्य बजट क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए इस बढ़े हुए आवंटन का पूरक होगा।

मेघालय : दो सप्ताह में ...

किया। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक प्रवक्ता ने बयान में कहा कि मेघालय में बीएसएफ ने अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं की सुरक्षा और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। पिछले दो सप्ताह के दौरान बीएसएफ ने 2.13 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ और तस्करी कर लाई गई अन्य चीजों को जब्त किया। सीमा-संबंधी विभिन्न अपराधों में संलिप्त दो भारतीय और नौ बांग्लादेशी नागरिकों को भी पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास 143 मवेशियों और अन्य प्रतिबंधित चीजों को जब्त करने में सफलता हासिल हुई है। उन्होंने कहा कि सीमा पर तैनात सैनिकों ने रक्तदान शिविर, मुफ्त चिकित्सा शिविर, कौशल विकास प्रशिक्षण, खेल तथा सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन में भाग लिया और सीमावर्ती निवासियों को तत्काल चिकित्सा उपचार मुहैया कराने में मदद की।

राकेश पाल को एपीएससी ...

का रुख आक्रामक रहा। वहीं, मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने दावा किया कि सरकार सभी अनियमितताओं की जांच कर रही है, लेकिन कुछ लोग उन पर कुछ अधिकारियों को बचाने का आरोप लगा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि आवश्यकता हुई, तो वे इस मामले को सुप्रीम कोर्ट तक ले जाने के लिए भी तैयार हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक 39 अधिकारियों को बर्खास्त किया जा चुका है, जो असम में अभूतपूर्व कार्रवाई है और इनमें से किसी को भी पुन: बहाल नहीं किया गया है। हालांकि, उन्होंने यह भी चेताया कि किसी भी गलत निर्णय से निर्दोष लोगों को नुकसान हो सकता है। इस बीच, विपक्ष ने बिप्लब कुमार शर्मा की रिपोर्ट को लेकर अलग-अलग रुख अपनाया। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष भूपेन बोरा ने रिपोर्ट को खारिज कर दिया, जबकि, नेता प्रतिपक्ष देबब्रत सैकिया ने इसे विधानसभा में प्रस्तुत करने की मांग की। सैकिया ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वे एपीएससी भर्ती घोटाले पर मुख्यमंत्री के जवाब से संतुष्ट नहीं हैं और उन्होंने समिति की सिफारिशों को लागू करने की मांग की।

अल्फा-आई के खिलाफ...

निकास बिंदुओं को बंद करने के लिए रणनीतिक नाकेबंदी की गई है, ताकि उग्रवादियों को भागने से रोका जा सके। खुफिया जानकारी से पता चलता है कि अल्फा (आई) समूह ने म्यांमार में अपने ठिकानों से अरुणाचल प्रदेश में घुसपैठ की, जिसका उद्देश्य विध्वंसकारी गतिविधियां और जबरन वसूली अभियान चलाना था। सूत्रों से पता चला है कि समूह ने चौखम क्षेत्र में कम से कम आठ व्यक्तियों को जबरन वसूली की मांग की है, जिसमें 15 लाख से लेकर 1 करोड़ तक की मांग की गई है। आगे की खुफिया जानकारी से पता चलता है कि समूह क्षेत्र के भीतर अवैध अफीम की खेती से कथित हिस्सा इकट्ठा करने में शामिल है। संयुक्त बल खतरे को बेअसर करने और क्षेत्र में सुरक्षा बहाल करने के लिए सक्रिय रूप से ऑपरेशन में लगे हुए हैं।

भारत 2027 तक दुनिया...

नहीं है, बल्कि यह वीर सैनिकों और उनके आश्रितों से दिल से दिल का जुड़ाव है। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित शीर्ष कॉर्पोरेट प्रमुखों से कहा कि आप जो भी योगदान देंगे, वह साधारण नहीं होगा। आपको इस बात का पूरा ध्यान रखना चाहिए कि कल जब आपकी वास्तविक बैलेंस शीट तैयार होगी, तो उसमें देनदारियों से ज्यादा संतुष्टि और खुशी की संपत्तियां होंगी। सीएसआर कॉन्क्लेव में रक्षा मंत्री ने मोदी सरकार की निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि सभी हितधारकों के सम्मिलित प्रयासों से आत्मनिर्भर और विकसित भारत का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी के साथ भारत 2027 तक दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में अपना स्थान बना लेगा। उन्होंने एएफएफडी फंड में उदारतापूर्वक योगदान के लिए कॉरपोरेट घरानों की सराहना की और इस अवसर पर शीर्ष सीएसआर दानदाताओं को सम्मानित किया। रक्षा मंत्रालय का पूर्व सैनिक कल्याण विभाग युद्ध विधवाओं, शहीद सैनिकों के आश्रितों और पूर्व सैनिकों के कल्याण और पुनर्वास के लिए कार्य कर रहा है, जिनमें दिव्यांग भी शामिल हैं। इसके लिए उन्हें उनकी व्यक्तिगत आवश्यकताओं जैसे निर्धनता अनुदान, बच्चों की शिक्षा का अनुदान, अंत्येष्टि अनुदान, चिकित्सा अनुदान और अनाथ ? और दिव्यांग बच्चों के लिए अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। सम्मेलन में रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, सचिव (पूर्व सैनिक कल्याण) डॉ. नितेन चंद्रा, रक्षा मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, सीएसआर समुदाय के सदस्य तथा सशस्त्र बलों के सेवारत एवं सेवानिवृत्त कार्मिक शामिल हुए।

केंद्र सरकार आदिवासियों ...

मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश के 12 करोड़ आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है। वन अधिकार अधिनियम आदिवासियों को जंगलों पर अधिकार देता है लेकिन असलियत में आदिवासियों को किसी तरह के अधिकार नहीं मिल रहे हैं। भूरिया ने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश में सरकार 40 प्रतिशत वनों को निजी कंपनियों को देने की तैयारी है। नतीजतन, वहां के आदिवासियों को जंगल की उन जमीन से बेदखल कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हसदेव जंगल (छत्तीसगढ़) में *वन अधिकार अधिनियम* के उल्लंघन का सबसे बड़ा उदाहरण देखने को मिल रहा है। वहां अभी तक 1 लाख पेड़ों को काटा जा चुका है और आगे खनन के लिए 2.5 से 3 लाख पेड़ों को और काटा जाएगा। उन्होंने एनसीआरबी के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि पूरे देश में आदिवासियों के खिलाफ सबसे ज्यादा अत्याचार मध्य प्रदेश में हो रहा है, जिसके बाद राजस्थान और ओडिशा का नंबर आता है। मप्र के सीधी, नीमच, झाबुआ और नेमावर में आदिवासियों के साथ ज्यादती की घटनाओं की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि जमीनी हकीकत यही है कि देश में आदिवासियों को न्याय नहीं मिल रहा है। उन्होंने भोपाल में एक नाबालिग आदिवासी के साथ लोक रंग कार्यक्रम में दुष्कर्म की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि उस मामले में एफआईआर दर्ज कराने के लिए 600 किमी दूर मऊगंज उसके घर जाना पड़ा। आदिवासी नेता ने कहा कि आज मध्य प्रदेश के राघोगढ़ में टंट्या मामा की एक प्रतिमा लगने वाली थी लेकिन पुलिस और प्रशासन ने ऐसा करने से रोक दिया। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि क्या ये हमारे महापुरुषों का अपमान नहीं है?

बजट में हर वर्ग ...

संकल्प को मजबूत करेगा। हमें पूर्ण विश्वास है कि राज्य सरकार अपने राजकोषीय संसाधनों के समुचित प्रबंधन से बिहार के आर्थिक विकास को गति देगी। सड़कों का चौड़ीकरण कर आवागमन की सुविधा को बेहतर किया जाएगा। युवाओं को रोजगार देने के हमारे प्रयास जारी रहेंगे। हम सरकारी नौकरी के साथ-साथ रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए कृत संकल्पित हैं, इसके लिए वित्तीय संसाधनों की कमी नहीं होने दी जाएगी। शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि में हमारे प्रयास से हुए विकास को आगे बढ़ाने के लिए विशेष प्रावधान इस बजट में किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अर्थव्यवस्था को समावेशी, तीव्र एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में बिहार बजट अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा, जहां एक ओर हर जिले को चार लेन सड़क से जोड़ा जाएगा, वहीं राज्य के लोगों के लिए सस्ती एवं सुलभ वायु सेवा उपलब्ध कराने के लिए बजट में कई प्रावधान किए गए हैं। विभिन्न जिलों में मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की स्थापना से राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र में गुणात्मक सुधार आएगा। निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार हमेशा तत्पर रही है और इस बजट में इसके लिए कई नई नीतियों के साथ बड़े और महत्वपूर्ण नीतिगत सुधार किए गए हैं। नीतीश कुमार कहा कि कुल मिलाकर इस बजट में किसानों, उद्यमियों, युवाओं एवं महिलाओं सहित समाज के हर वर्ग के लोगों का ख्याल रखा गया है। यह एक सम्पूर्ण, समावेशी एवं विकास को बढ़ावा देने वाला बजट है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 23 जुलाई 2024 को केंद्र में नई सरकार के गठन के पश्चात पेश किए गए बजट में बिहार को विशेष आर्थिक मदद दी गयी थी। पुन: एक फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा केंद्रीय बजट 2025 में बिहार की विभिन्न विकास योजनाओं तथा बिहार के लोगों के हित का विशेष ध्यान रखा गया है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि केंद्र सरकार की इस सहायता तथा राज्य सरकार के अपने बजटीय प्रावधानों से बिहार के विकास को और गति मिलेगी। साथ ही बिहार नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

अमर्त्य सेन ने की ...

मैंने ढाका में कई साल बिताए हैं। मेरी पढ़ाई की शुरुआत भी वहीं से हुई थी। मेरे लिए यह जगह हमेशा खास रही है, लेकिन आज बांग्लादेश की स्थिति बेहद खराब है। वहां अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर खतरा है। सरकार मौजूदा चुनौतियों से कैसे निपटेगी, इसे लेकर मैं भी बाकी लोगों की तरह चिंतित हूं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में कभी जमात-ए-इस्लामी जैसी ताकतों पर लगाम थी, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। आज वहां हिंदू समुदाय पर हमले हो रहे हैं, मंदिर तोड़े जा रहे हैं और सरकार मौन है। सेन ने कहा कि हिंदुओं की सुरक्षा के लिए बांग्लादेश की एक गौरवशाली परंपरा रही है। लेकिन अब जिस तरह अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हो रहे हैं, वह बर्दाश्त के काबिल नहीं है। यह जिम्मेदारी वहां की सरकार और नागरिकों की बनती है कि वे इस हिंसा को रोकें। नोबेल पुरस्कार विजेता ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि यूनुस उनके पुराने मित्र हैं और उनके पास देश को संभालने की क्षमता है। सेन ने उम्मीद जताई कि यूनुस लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता को बचाने के लिए ठोस कदम उठाएंगे। जमात का पलटवार, सेन पर जमकर हमलाअमर्त्य सेन के बयान से तिलमिलाए जमात-ए-इस्लामी के प्रमुख शफीकुर रहमान ने तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि अमर्त्य सेन को बांग्लादेश को सहिष्णुता का पाठ पढ़ाने की जरूरत नहीं है। पहले उन्हें अपने देश के हालात पर नजर डालनी चाहिए। वह शेख हसीना की तानाशाही का बचाव कर रहे हैं, जो निंदनीय है। हालांकि जमात प्रमुख ने यह भी माना कि इस वक्त बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हमले हो रहे हैं, जबकि यूनुस सरकार अब तक इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए है।

भारत को ज्ञान...

स्थापित करने के लक्ष्य को प्राप्त करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने शिक्षा के साथ-साथ शोध पर भी बहुत ध्यान देने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। भारत सरकार ने बहुत अच्छे उद्देश्य से राष्ट्रीय अनुसंधान कोष की स्थापना की है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उच्च शिक्षा संस्थान इस महत्वपूर्ण पहल का अच्छा उपयोग करेंगे और शोध को प्रोत्साहित करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत के उच्च शिक्षण समुदाय की महत्वाकांक्षा यह होनी चाहिए कि हमारे संस्थानों के अनुसंधानकर्ताओं को विश्वस्तरीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जाए। हमारे संस्थानों के पेटेंट विश्व में बदलाव ला सकें और विकसित देशों के विद्यार्थी भारत को उच्च शिक्षा के लिए पसंदीदा स्थान के रूप में चुनें। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत के विद्यार्थी अपनी प्रतिभा से दुनिया के अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों और विकसित अर्थव्यवस्थाओं को समृद्ध करते हैं। उन्होंने हमारे देश में उनकी प्रतिभा का उपयोग करने के लिए प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत को वैश्विक ज्ञान महाशक्ति के रूप में स्थापित करने का हमारा राष्ट्रीय लक्ष्य तभी प्राप्त होगा जब विश्व समुदाय हमारी प्रयोगशालाओं में किए जा रहे कार्यों को अपनाने के लिए उत्सुक होगा। उन्होंने कहा कि हमारे देश के कई उच्च शिक्षण संस्थानों की वैश्विक ब्रांड वैल्यू है। इन संस्थानों के विद्यार्थी को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों और कंपनियों में बड़ी जिम्मेदारियां मिलती हैं। हालांकि, हमारे सभी संस्थानों को बहुत तेजी से आगे बढ़ना चाहिए। हमारी विशाल युवा आबादी की अपार प्रतिभा को विकसित और उपयोग में लाकर उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों के नेतृत्व को मान्यता दी जाएगी। राष्ट्रपति ने कहा कि उत्कृष्टता के साथ-साथ सामाजिक समावेश और संवेदनशीलता भी हमारी शिक्षा प्रणाली का एक अनिवार्य पक्ष होना चाहिए। उच्च शिक्षा प्राप्त करने में किसी भी तरह की कोई आर्थिक, सामाजिक या मनोवैज्ञानिक सीमा बाधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रमुखों और शिक्षकों को युवा विद्यार्थियों का ध्यान रखना चाहिए, उनके मन से किसी भी तरह की असुरक्षा को दूर करना चाहिए और उन्हें नैतिक और आध्यात्मिक शक्ति प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को परामर्श और प्रेरणा प्रदान करने और परिसरों में सकारात्मक ऊर्जा फैलाने के लिए हर संभव प्रयास करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हमारे देश में वैज्ञानिक उपलब्धियों की समृद्ध परंपरा है। देश के हर क्षेत्र में भारतीय ज्ञान और विज्ञान की शाखाएं और उप-शाखाएं फलीफूली हैं। गहन शोध करके ज्ञान और विज्ञान की अमूल्य लेकिन विलुप्त धाराओं को फिर से खोजना बहुत उपयोगी होगा। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र की यह जिम्मेदारी है कि वह आज के संदर्भ में ऐसी विकसित ज्ञान प्रणालियों का उपयोग करने के तरीके खोजे। राष्ट्रपति ने कहा कि शैक्षणिक संस्थान राष्ट्र के भविष्य को आकार देते हैं। युवा छात्र हमारे नीति निर्माताओं, शिक्षकों, संस्थानों के प्रमुखों और वरिष्ठ छात्रों के आचरण से सीखते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अपनी वैश्विक सोच के साथ, उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रमुख एक विकसित भारत के निर्माताओं की एक पीढ़ी तैयार करेंगे। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन को बढ़ावा देने के लिए क्वांटम प्रौद्योगिकी में नवीन स्वदेशी नवाचार विकसित करने के लिए बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के बायोकेमिस्ट्री विभाग के प्रोफेसर डॉ. सरिपेल्ला श्रीकृष्ण को नवाचार के लिए विजिटर पुरस्कार दिया गया। भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान के लिए विजिटर पुरस्कार हैदराबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अश्विनी कुमार नांगिया को प्रदान किया गया। उन्हें किफायती लागत पर उन्नत प्रभावकारिता वाली उच्च जैव उपलब्धता वाली औषधियों और फार्मास्यूटिकल्स की खोज और विकास में उनके महत्वपूर्ण अनुसंधान के लिए यह पुरस्कार दिया गया। जैविक विज्ञान में अनुसंधान के लिए विजिटर अवार्ड दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर रीना चक्रवर्ती और पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रोफेसर राज कुमार को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। प्रोफेसर चक्रवर्ती को यह पुरस्कार सतत मीठे पानी की जलीय कृषि में उनके शोध योगदान के लिए दिया गया है, जबकि प्रोफेसर राज कुमार को विभिन्न कैंसर हॉलमार्क की खोज और सिंथेटिक एंटीकैंसर लीड अणुओं के विकास में उनके शोध योगदान के लिए यह पुरस्कार दिया गया है। प्रौद्योगिकी विकास के लिए विजिटर पुरस्कार, गति शक्ति विश्वविद्यालय वडोदरा, गुजरात के प्रो. डॉ. वेंकटेश्वरलु चिंताला को लैंडफिल नगरपालिका मिश्रित प्लास्टिक कचरे से वाणिज्यिक स्तर पर पेट्रोल और डीजल उत्पादन में उनके अनुसंधान योगदान के लिए प्रदान किया गया। इस मौके पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, शिक्षा राज्यमंत्री जयंत चौधरी और सुकांत मजूमदार, प्रधानमंत्री के सलाहकार अमित खरे, राष्ट्रपति की सचिव दीप्ति उमाशंकर, उच्चतम शिक्षा विभाग के सचिव विनित जोशी और देशभर के उच्चतम शैक्षणिक संस्थानों के निदेशक और कुलपति उपस्थित थे।

आज बड़ा धमाका...

राष्ट्रपति यूक्रेन के लिए कई नए विकल्पों पर विचार करने और उन पर एक्शन करने के लिए विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ सहित अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ शुक्रवार को हुई मीटिंग और बहस के बाद ट्रंप ने ये *कल रात बहुत बड़ी होगी* वाला पोस्ट किया है। दोनों नेताओं के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति के ओवल ऑफिस में बैठक हुई थी। इसमें दोनों के बीच तीखी बहस हुई थी। ये सब इसलिए हुआ क्योंकि जेलेंस्की ने समझौते पर साइन करने से इनकार कर दिया था। उन्होंने पुतिन की आलोचना भी की थी। इस बहस के बाद कई देश जेलेंस्की के समर्थन में आए। इस कड़ी में ब्रिटिश प्रधानमंत्री स्टॉर्मर का भी नाम है। उन्होंने जेलेंस्की से मुलाकात के बाद कहा था कि उन्हें देश का अटूट समर्थन प्राप्त है। जेलेंस्की और स्टॉर्मर के बीचलंदन में बैठक भी हुई। स्टॉर्मर ने जेलेंस्की से कहा कि जैसा कि आपने बाहर सड़क पर नारो के जरिए सुना, आपको पूरे ब्रिटेन में पूरा समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा कि हम आपके साथ खड़े हैं। भले ही युद्ध में कितना भी समय लगे। इस पर जेलेंस्की ने उन्हें और ब्रिटेन के लोगों को उनके समर्थन और दोस्ती के लिए धन्यवाद दिया। इस मुलाकात के बाद स्टॉर्मर ने शनिवार शाम अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप और फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों से भी बात की थी।

देश के विकास ...

को बढ़ावा देने, मृदा स्वास्थ्य सुधारने और डेयरी किसानों की आय में वृद्धि करने के लिए जकरियापुर मॉडल, वाराणसी मॉडल, और बनास मॉडल पर मार्गदर्शन प्रदान करती है। राष्ट्रीय दुग्ध विकास बोर्ड (एनडीडीबी) द्वारा आयोजित सम्मेलन में केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन भी मौजूद रहे। अमित शाह ने कहा कि हमारा डेयरी क्षेत्र देश के विकास को गति देता है, लेकिन साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों, भूमिहीन किसानों और छोटे किसानों को समृद्ध बनाने में भी इसका बहुत बड़ा योगदान है। यह हमारे देश के पोषण का ध्यान रखता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हमारे सामने दो लक्ष्य रखे हैं, जिनमें दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना और 2047 तक पूर्ण विकसित राष्ट्र बनना शामिल है। उन्होंने कहा कि इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए सभी क्षेत्रों की संभावनाओं के शत प्रतिशत दोहन की पद्धति विकसित करनी होगी।

कांग्रेस ने शर्म छुपाने के लिए गीता के श्लोकों रवींद्रनाथ के गीतों का सहारा लिया : भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश भाजपा ने सोमवार को कहा कि असम में तथाकथित विपक्षी एकता बैठक बिखराव में बदल गई, जिसके बाद कांग्रेस नेतृत्व को अपनी शर्म छुपाने के लिए रवींद्रनाथ टैगोर के गीतों और श्रीमद् भगवद् गीता के श्लोकों का सहारा लेना पड़ रहा है। यह कांग्रेस की हताशा का प्रतीक है। भाजपा ने सोमवार को जारी अपने बयान में कहा कि कांग्रेस और कुछ राजनीतिक रूप से अप्रासंगिक दलों ने असम की राजनीति में भाजपा के मजबूत संगठन के खिलाफ एक कमजोर प्रदर्शन करने की कोशिश की, लेकिन यह कोई नया नाटक नहीं है। पिछले कई वर्षों से ये दल अलग-अलग नामों के तहत यही *विपक्षी एकता* का ड्रामा दोहराते आ रहे हैं। विडंबना यह है कि इस तथाकथित गठबंधन में

खुद कांग्रेस को अपने सहयोगियों के साथ समझौते के नाम पर बार-बार विश्वासघात करने का दोषी ठहराया गया है। भाजपा ने कहा कि जो कथित राष्ट्रवादी क्षेत्रीय दल असम की अस्मिता की रक्षा का दावा करते हैं, वे उसी कांग्रेस के साथ हाथ मिला चुके हैं, जिसने 855 असमिया युवाओं की निर्मम हत्या करवाई थी। यह दर्शाता है कि इन अवसरवादी दलों के लिए सत्ता ही सबकुछ है, नैतिकता कोई मायने नहीं रखती। भाजपा ने ऐसे अपवित्र गठबंधनों की कड़ी निंदा करती है। भाजपा ने यह भी कहा कि आज भाजपा असम में सबसे अनुशासित और संगठित राजनीतिक शक्ति है। पिछले छह-सात महीनों में भाजपा कार्यकर्ताओं ने राज्य भर में एक विशाल सदस्यता अभियान चलाया और जमीनी स्तर पर संगठनात्मक चुनाव पूरे किए, जो पूरी तरह अनुशासन और समर्पण के साथ संपन्न हुए। भाजपा ने विपक्षी दलों पर तंज कसते हुए कहा कि विचारधारा से विपरीत, मीडिया-निर्मित और जनाधार-विहीन पार्टियों का गठजोड़ एक संगठित भाजपा को चुनौती दे सकता है, यह सोचना भी निरर्थक है। यह वैसा ही है जैसे कोई पहाड़ पर कछुए के अंडे खोजने जाए!

मेघालय के पेट्रोल पंप से चार लाख चुराने का आरोपी गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी की वशिष्ठा पुलिस ने बिहरबाड़ी इलाके से एक युवक को गिरफ्तार किया है। इस युवक पर मेघालय के नोंगपो में एक पेट्रोल पंप से चार लाख रुपए चुराने का आरोप है। वशिष्ठ पुलिस ने सोमवार को बताया है कि मेघालय के नोंगपो स्थित उमलिंग पेट्रोल पंप से चार लाख रुपए चोरी के मामले में वशिष्ठा पुलिस थाना पुलिस ने यहां बिहरबाड़ी इलाके से सुनील कुमार झा नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी सुनील को आगे की जांच के लिए मेघालय के खानापाड़ा पुलिस थाना को कानूनी कार्रवाई के लिए सौंप दिया है। इस संबंध में मेघालय के नोंगपोह पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी से सघन पूछताछ कर रही है।

अलार्म चेन के दुरुपयोग पर वसूला गया आठ लाख का जुर्माना

गुवाहाटी (हिंस)। ट्रेनों में अलार्म चेन एक आवश्यक संरक्षा उपकरण के रूप में काम आती है, जो यात्रियों को सुरक्षा खतरों, चिकित्सा संकटों या तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता जैसी अन्य आपातकालीन स्थितियों से संबंधित वास्तविक आपात स्थितियों के मामले में ट्रेन को रोकने में कारगर है। हालांकि, अलार्म चेन का तेजी से बढ़ता दुरुपयोग एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय बन गया है। इसको रोकने के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) लगातार आवश्यक कदम उठा रहा है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने सोमवार को एक बयान में बताया है कि जनवरी से दिसंबर, 2024 के बीच, पूसीरे की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने अलार्म चेन खींचने के 2,105 मामले दर्ज किए। परिणामस्वरूप, 2,112 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया और दोषियों से 8.37 लाख रुपए से अधिक का जुर्माना वसूला गया। पिछले दो महीनों में ही, इस जोन ने बेवजह अलार्म चेन खींचने के 196 मामले दर्ज किए, जिसके परिणामस्वरूप 204 दोषियों को गिरफ्तार किया गया और 90 हजार रुपए से अधिक का जुर्माना लगाया गया। रेलवे अधिनियम का उल्लंघन करने पर वर्तमान में पकड़े गए सभी आरोपियों के मुकदमे संबंधित क्षेत्राधिकार के न्यायालयों में चल रहे हैं। 27 फरवरी, 2025 को, एक व्यक्ति पर बिना किसी वैध कारण के डिफू स्टेशन पर ट्रेन

संख्या 12424 (नई दिल्ली-डिब्रूगढ़) राजधानी एक्सप्रेस का अलार्म चेन खींचने का मामला दर्ज किया गया। इस कृत्य के कारण ट्रेन को 10 मिनट तक रोकना पड़ा। अपराधी की पहचान उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर निवासी श्याम नारायण बिंद के रूप में हुई है, जो पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन से डिमापुर जा रहा था। जैसे ही ट्रेन डिमापुर स्टेशन से रवाना हुई, वह समय पर उतर नहीं पाया और ट्रेन को रोकने के लिए उसने अलार्म चेन खींच ली। ड्यूटी पर मौजूद आरपीएफ कर्मियों ने उसे हिरासत में लिया और पूछताछ करने पर उसने अपराध स्वीकार कर लिया। श्याम नारायण बिंद के खिलाफ रेलवे अधिनियम की धारा 141 के तहत डिमापुर आरपीएफ पोस्ट में मामला दर्ज किया गया और आगे की जांच जारी है।

अभाविप और सीमांत चेतना मंच की सीमा दर्शन यात्रा संपन्न

गुवाहाटी (हिंस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) और सीमांत चेतना मंच पूर्वोत्तर के तत्वावधान में आयोजित *सीमा दर्शन यात्रा* का समापन हो गया। इस यात्रा में कुल 139 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया, जिनमें 32 छात्राएं भी शामिल थीं। प्रतिभागियों ने सीमावर्ती जिलों के गांवों में पहुंचकर वहां की परिस्थितियों का अध्ययन किया और अनुभव अर्जित किया। समापन अवसर पर आज गुवाहाटी में एक अनुभव-साझाकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें भारतीय सेना के पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कलिता विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ अभाविप असम प्रांत के प्रदेश सचिव हेरोल्ड महन सहित कई विशिष्ट अतिथि मौजूद थे। यात्रा के दौरान छात्रों को 15 दलों में विभाजित किया गया था। इनमें से तीन दल धुबड़ी, तीन श्रीभूमि, दो कछार, दो उदालगुड़ी और अन्य दल दक्षिण सालमारा, बाक्सा, तामुलपुर, चिरांग और कोकराझाड़ गए। सभी प्रतिभागियों ने सीमावर्ती गांवों में स्थानीय परिवारों के साथ रहकर वहां की जमीनी हकीकत को जाना। विद्यार्थी परिषद के राज्य सचिव और *खुदीराम बोस दल* के संयोजक ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि सीमावर्ती गांवों की स्थिति चिंताजनक है। अब भी इन क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पानी, नेटवर्क और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी बनी हुई है। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा की जिम्मेदारी केवल सेना की नहीं है, बल्कि इसमें स्थानीय नागरिकों और विशेष रूप से छात्रों एवं युवाओं की भी अहम भूमिका होनी चाहिए। इस यात्रा के दौरान छात्र-छात्राओं ने बीएसएफ और एसएसबी जवानों से भी मुलाकात कर सीमा सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों को समझने का प्रयास किया।

गौहाटी हाईकोर्ट ने यूएसटीएम के चांसलर महबुबुल हक को दी जमानत

गुवाहाटी (हिंस)। यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी मेघालय (यूएसटीएम) के चांसलर महबुबुल हक को गौहाटी हाईकोर्ट ने जमानत दे दी है। यह जमानत श्रीभूमि जिले के पथारकांडी में दर्ज मामले संख्या 54/2025 में दी गई है। हालांकि, उनके खिलाफ दर्ज दूसरे मामले (55/2025) में जमानत याचिका पर सुनवाई मंगलवार को होगी। पिछले शुक्रवार को हक की जमानत याचिका पर अदालत में विस्तृत बहस हुई थी। लंबी सुनवाई के बाद, अदालत ने सोमवार तक निर्णय सुरक्षित रख लिया था। महबुबुल हक को 21 फरवरी को श्रीभूमि पुलिस ने गिरफ्तार किया था, जिसके बाद उन्हें आगे की जांच के लिए

राजधानी गुवाहाटी के दिसपुर थाना लाया गया था। 24 फरवरी को उन्हें श्रीभूमि जिले की मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) की अदालत में पेश किया गया। पेशी से पहले उन्हें करीमगंज सदर थाना से करीमगंज सिविल अस्पताल में मेडिकल जांच के लिए ले जाया गया था। 25 फरवरी को अदालत ने उन्हें चार दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया था। इसी मामले में हिरामणि सैकिया, बिजय दत्ता, रेज्जाक अली, नुमान अहमद और इमदादुर रहमान को भी चार दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया था। निर्धारित रिमांड अवधि पूरी होने के बाद, सभी आरोपियों को सोमवार को अदालत में पेश किया गया। इससे पहले, आज सुबह महबुबुल हक और सह-आरोपी नुमान अहमद को दिसपुर पुलिस स्टेशन से करीमगंज पुलिस स्टेशन ले जाया गया। चूंकि श्रीभूमि पुलिस ने उनकी और रिमांड नहीं मांगी, इसलिए अदालत ने हक को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया।

फर्जी मुठभेड़ पर रुख स्पष्ट करें मुख्यमंत्री : अखिल गोगोई

गुवाहाटी (हिंस)। राइजर दल प्रमुख और शिवसागर के विधायक अखिल गोगोई ने भाजपा सरकार पर नए आरोप लगाते हुए दावा किया कि फर्जी मुठभेड़ों में अब तक 72 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 221 लोग घायल हुए हैं। कुल मिलाकर 293 लोगों को गोली मारी गई है। अखिल गोगोई सोमवार को असम विधानसभा के चालू बजट सत्र के पांचवें दिन प्रश्नकाल के दौरान बोल रहे थे। उन्होंने इस दिन को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए कहा कि सरकार 2013-14 के एपीएससी भर्ती को रद्द

करने के लिए तैयार नहीं है, क्योंकि इस सूची में कथित रूप से मुख्यमंत्री के करीबी लोग शामिल हैं। गोगोई ने इस मामले से जुड़ी अधिकारी प्रियंका दास की बार-बार अदालत में पेशी पर भी सवाल उठाए और आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री गौहाटी हाईकोर्ट और उसके न्यायाधीशों पर संदेह जता रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर राकेश पॉल के कार्यकाल के दौरान नियुक्त सभी लोगों को बर्खास्त नहीं किया जाता, तो यह साफ हो जाएगा कि सूची में मुख्यमंत्री के करीबी लोग शामिल हैं।

सड़क हादसा नहीं बल्कि योजनाबद्ध तरीके से की गई थी पिता-पुत्र की हत्या

बरपेटा (हिंस)। जिले के हाउली में पिता और पुत्र की मौत सड़क दुर्घटना में नहीं बल्कि एक योजनाबद्ध तरीके से हथौड़े से सिर पर वार कर हत्या की गई थी। इस मामले का खुलासा सोमवार को हाउली थाने के ओसी ने अपनी जांच के बाद किया है। पुलिस ने इस मामले में शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। दरअसल, बुधवार को बरपेटा के हाउली में एक बोलेरो वाहन की चपेट में आने से पिता अब्दुल मन्नान और उसके पुत्र अब्दुल रेज्जाक की मौत हो गई थी। पुलिस की जांच में सामने आया कि पिता-पुत्र की मौत सड़क हादसे में नहीं बल्कि भूमि विवाद में क्रूरता से हत्या की गई। पुलिस के अनुसार इस हत्या को एक दुर्घटना का रूप देने के लिए नुरुल लस्कर और नजीब अली ने बाक्सा जिले के मोइराझार गांव के निवासी वाहन चालक मनोवार अली को 20 हजार रुपए देकर अपने साथ मिला लिया। जांच और पूछताछ के बाद पुलिस नुरुल लस्कर, नजीब अली और बोलेरो वाहन के चालक मनोवार अली को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इस्तेमाल की बोलेरो वाहन को भी जब्त कर लिया है। गिरफ्तार आरोपित नुरुल लस्कर और नजीब अली मृतक अब्दुल रेज्जक के चाचा के बेटे हैं। पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि पिता-पुत्र की मौत हादसा नहीं है, बल्कि सोची-समझी साजिश के तहत हत्या की गई है। बताया गया कि एक भूखंड को लेकर दोनों में विवाद चल रहा था। पुलिस के अनुसार तीनों ने बुधवार की रात को हाउली शहर में फर्नीचर की अपनी दुकान को बंद बाइक से लौट रहे पिता अब्दुल रेज्जाक और उसके पुत्र अब्दुल मन्नान को पीछे से पहले बोलेरो से टक्कर मार कर गिरा दिया और उसके बाद नुरुल लस्कर और नजीब अली ने बोलेरो से उतरकर दोनों के सिर हथौड़े से वार किया। इससे पुत्र अब्दुल मन्नान की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पिता अब्दुलग्रेज्जाक को बरपेटा मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया, लेकिन इलाज के दौरान अब्दुल रेज्जाक की गुरुवार रात को मौत हो गई। इस घटना का खुलासा होने के बाद ऑल असम माइनारिटी स्टूडेंट यूनियन (आमसू) ने मांग की है कि हत्या में शामिल तीनों आरोपियों को फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से फांसी दी जाए।

राज्यपाल ने केकेएचएसओयू के 7वें दीक्षांत समारोह में लिया हिस्सा

आचार्य ने उच्च शिक्षा में मातृभाषा को बढ़ावा देने के लिए केकेएचएसओयू की सराहना की

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने कहा कि कृष्णकांत हैंडिक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय राज्य में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा में बहुत बड़ा योगदान दे रहा है, क्योंकि यह दूरदराज के क्षेत्रों और आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों के लिए उच्च शिक्षा तक पहुंच को बढ़ावा देने में पूरे दिल से काम कर रहा है। सोमवार को यहां खानापाड़ा के रेशम नगर स्थित विश्वविद्यालय के परिसर में आयोजित 7वें दीक्षांत समारोह में छात्रों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि 2035 तक उच्च शिक्षा में 50 प्रतिशत सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) प्राप्त करने के लिए एनईपी 2020 के अधिदेश के करीब, कृष्ण कांता हैंडिक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय इस लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राज्यपाल ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि विश्वविद्यालय के 50 प्रतिशत से अधिक छात्र ग्रामीण पृष्ठभूमि से आते हैं, जो उच्च शिक्षा को और अधिक सुलभ बनाने की इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने संस्थान के लचीले शिक्षण कार्यक्रमों की भी सराहना की, जिससे छात्रों को अपनी शिक्षा

को परिवार और नौकरी की जिम्मेदारियों के साथ संतुलित करने का मौका मिला है। राज्यपाल ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय के संस्थापक कृष्णकांत हैंडिक को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि इस विद्वान व्यक्तित्व की विरासत उनके सम्मान में स्थापित संस्थान के माध्यम से जीवित है। आचार्य ने अपने संबोधन के दौरान यह भी कहा कि शिक्षा का व्यापक उद्देश्य छात्रों को जीवन के सभी पहलुओं में ज्ञान प्राप्त करने में मदद करना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा अपार अवसरों के द्वार खोलती है। इस प्रकार प्राप्त अवसरों का उपयोग करते हुए हमारे छात्रों को नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी देने वाले बनने का प्रयास करना चाहिए और राष्ट्र की प्रगति में योगदान देना चाहिए। राज्यपाल ने ज्ञान की भूमि के रूप में असम की समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत पर भी प्रकाश डाला। इस पवित्र भूमि ने श्रीमंत शंकरदेव को जन्म दिया है, जो एक श्रद्धेय विद्वान थे, जिनके आध्यात्मिक और बौद्धिक स्वामित्व ने राज्य के सांस्कृतिक और शैक्षिक परिदृश्य को आकार दिया है। आचार्य ने शिक्षा के व्यापक उद्देश्य को रेखांकित करते हुए कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों के बारे में नहीं है; यह जीवन के सभी पहलुओं में ज्ञान प्राप्त करने के बारे में है। यह अपार अवसरों के द्वार खोलता है। उन्होंने कहा कि चूंकि दीक्षांत समारोह को एक शैक्षणिक कार्यक्रम के समापन पर छात्रों की उपलब्धि को मान्यता देने वाला कार्यक्रम माना जाता है, इसलिए यह प्रत्येक छात्र के लिए एक मील का पत्थर है, जो वर्षों की कड़ी मेहनत, दृढ़ता और समर्पण का जश्न मनाता है। राज्यपाल ने इस अवसर पर सफलता प्राप्त करने में आंतरिक प्रेरणा, प्रतिबद्धता और निरंतरता के महत्व के बारे में भी बात की, इस बात पर प्रकाश डाला कि ज्ञान की खोज भौतिक सुख-सुविधाओं से परे है। डिग्री प्राप्त करने वाले 516 छात्रों में से, राज्यपाल ने अपनी संतुष्टि व्यक्त की कि 275 छात्राएं थीं। उन्होंने कहा कि स्वर्ण पदक विजेताओं में से आधे से अधिक लड़कियां हैं, जो शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में महिलाओं की निरंतर प्रगति का प्रमाण है। राज्यपाल ने असमिया में अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने के विश्वविद्यालय के प्रयासों को भी स्वीकार किया, शिक्षा में भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति के जोरदार का समर्थन किया। राज्यपाल आचार्य ने स्नातकों को अपने ज्ञान का उपयोग करके भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर ले जाने के लिए प्रोत्साहित किया। उल्लेखनीय है कि आज कुल 12,463 डिग्री और डिप्लोमा प्रदान किए गए, जिनमें 17 डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) डिग्री, 1,618 स्नातक डिग्री, 10,827 स्नातकोत्तर डिग्री और एक स्नातकोत्तर डिप्लोमा शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि पुरस्कार पाने वालों में 58.3 प्रतिशत छात्राएं हैं। भारतीय प्रबंधन संस्थान, तिरुचिरापल्ली के निदेशक प्रोफेसर पवन कुमार सिंह विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। दीक्षांत समारोह में कृष्णकांत हैंडिक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राजेंद्र प्रसाद दास, संकाय सदस्य, छात्र और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

तेममं ने स्वावलंबन कार्यशाला का किया आयोजन

गुवाहाटी (विभास)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशाअनुसार तेरापंथ महिला मंडल गुवाहाटी द्वारा अध्यक्ष अमराव देवी बोथरा की अध्यक्षता में तेरापंथ धर्मस्थल में समृद्ध राष्ट्र योजना के अंतर्गत उड़ान सुनहरा भविष्य एक कदम स्वालंबन के तीसरे चरण में फ्लावर मेकिंग एवं विविध प्रकार के डेकोरेटिव हैंपर क्लास कार्यशाला का आयोजन किया गया कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र एवं प्रेरणा गीत से हुई। अध्यक्ष अमराव देवी बोथरा ने सभी का स्वागत किया व कहां की आशा करते हैं यह क्लास प्रशिक्षण कन्याओं और बहनों को उनके सुनहरे भविष्य की ओर ले जाने में सहायक बनेगा इसमें लगभग 50 बहनों की सहभागिता रही फ्लावर मेकीग क्लास का प्रशिक्षण देने श्रीमती पिंकी जी पटावरी को बुलाया गया जिन्होंने बहुत सुंदर तरीके से विविध प्रकार के फ्लावर बनाना सिखाया कार्यक्रम का कुशल संचालन मंत्री ममता दुगड़ किया बहनों ने उत्साह से कार्यशाला में अपनी सहभागिता प्रदान की कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती श्वेता सिंघी व श्रीमती मंजू दुगड़ ने सभी का आभार व्यक्त किया व सभी बहनों के अथक प्रयास से यह कार्यशाला सफल रही इस आशय की जानकारी प्रचार प्रचार मंत्री विनिता सुराना ने दी।

श्री शांतिनाथ महामंडल विधान का आयोजन

गुवाहाटी। मालिगांव स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन चैत्यालय मे आज शांतिनाथ विधान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आचार्य श्री प्रमुख सागर महाराज ससंघ के मुखारविंद से सर्वप्रथम शांतिधारा करने का सौभाग्य चैंनरूप- शारदा देवी बगडा सपरिवार को प्राप्त हुआ। तत्पश्चात ससंघ के सानिध्य में संगीतमय लहरियों के संग शांतिनाथ महामंडल विधान का आयोजन किया गया। जिसमें समाज के बच्चे पुरुष एवं महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में कार्यक्रम में भाग लिया। मंदिर के प्रमुख चैनरूप बगडा ने बताया कि रविवार को गाजे-बाजे के साथ आचार्य श्री ससंघ का मालीगांव चैत्यालय में मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर जगह-जगह श्रद्धालु-भक्तों द्वारा आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन एवं मंगल आरती उतार कर उनके प्रति भक्ति प्रकट की गई। मालूम हो आचार्य श्री ससंघ रविवार महावीर धर्म स्थल से विहार होकर फैंसी बजार स्थित श्री दिगंबर जैन(बड़ा) मंदिर पहूंचे। जहा ससंघ ने श्रीजी के दर्शन कर मालीगांव की ओर प्रस्थान किया। मालूम हो की आचार्य श्री ससंघ का कोलकाता की और मंगल विहार चल रहा है। इसी करी में एक दिवसीय अल्पकालीन प्रवास मालिगांव स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन चैत्यालय में हुआ। यह जानकारी मंदिर के प्रमुख आकाश बगडा एवं सुनील कुमार सेठी द्वारा दि गई है।

खेजड़ी वाले बालाजी का भजन कीर्तन व होली धमाल कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी। खेजड़ीवाले बालाजी सेवा समिति, गुवाहाटी के तत्वावधान में रविवार को माछखुवा स्थित प्रागज्योति सांस्कृतिक केंद्र (आईटीए सेंटर)में खेजडीवाले बालाजी के भजन-कीर्तन सह होली धमाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में राजस्थान के जोधपुर, छापर, नोखा और बीकानेर के 21 जाने-माने कलाकार ने अपनी-अपनी प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम के प्रथम चरण का शुभारंभ खेजरी वाले बालाजी की आराधना के साथ हुआ। इस अवसर पर गुवाहाटी के गायक कलाकार विनोद शर्मा और धुबड़ी के गायक कलाकार तेजा पारीक ने हनुमान जी के भजनों की अमृत वर्षा की। कार्यक्रम की द्वितीय चरण में नोखा की प्रसिद्ध गायिका सोनू जोशी ने होली गीतो की प्रस्तुति दी। राजस्थान के छापर से राजस्थान म्यूजिकल ग्रुप ने होली के गीतों पर नृत्य

प्रस्तुत किया। खेजड़ी वाले बालाजी सेवा समिति के ट्रस्टी इंचार्ज रामेश्वर गहलोत ने सभी दर्शकों का स्वागत किया। अध्यक्ष अजय पोद्दार व उनकी धर्मपत्नी कंचन पोद्दार ने खेजड़ी वाले बालाजी को प्रसाद का भोग लगाकर पूजा की। इस अवसर पर उपाध्यक्ष बालकिशन गोयल, सचिव दयाराम शर्मा, सह सचिव कमल खेमका, कोषाध्यक्ष अजय सोनी, प्रचार सचिव नंदकिशोर आसोपा, सह प्रचार सचिव महेश शर्मा के अलावा समिति के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। अरुण अग्रवाल ने सम्मान सत्र का संचालन करते हुए गणमान्य लोगों को मंच पर बुलाकर दुपट्टा और खेजड़ी वाले बालाजी के चित्र देकर सम्मानित किया। जिनमें प्रसिद्ध उद्योगपति कैलाश लोहिया एवं पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा के अलावा शिलांग के मनीष कोठारिया, गुवाहाटी के कन्हैयालाल पीपलवा, जगमोहन सोनी के अलावा अन्य कई सहयोगियों का दुपट्टा पहनाकर व खेजडी वाले बालाजी का चित्र प्रदान कर सम्मान किया। गौरतलब है कि खेजड़ी वाले बालाजी का मंदिर सुजानगढ़ सीकर मार्ग पर सुजानगढ़ के नजदीक मिंगणा गांव में है। यह मंदिर सुजानगढ़ तहसील के ही गोपालपुर गांव में डूंगर बालाजी के तेज से प्रभावित है। इस मंदिर के निर्माण और व्यवस्था में रामेश्वर गहलोत ने प्रमुख भूमिका निभाई है। इस अवसर पर खेजड़ी वाले बालाजी महाराज के प्रसाद के रूप में श्रोताओं के लिए अमृत भंडारा का आयोजन किया गया।

संपादकीय

'विकसित देश' बनना है तो...

हम हररोज और निरंतर सुनते रहे हैं कि 2047 में भारत एक 'विकसित राष्ट्र' होगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार और भाजपा-एनडीए का यह संकल्प है और देश की जनता का भी आह्वान किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने भारत को दुनिया के लिए 'कारखाना' करार दिया है, जबकि यह अद्र्धसत्य लगता है, क्योंकि भारत मैन्यूफैक्चरिंग (विनिर्माण, उत्पादन आदि) में पिछड़ता जा रहा है। लक्ष्य तय किया गया था कि इस क्षेत्र का जीडीपी में योगदान कमोबेश 25 फीसदी होना चाहिए, लेकिन यह हिस्सेदारी 15 फीसदी से भी कम हो गई है। यह ऐसा क्षेत्र है, जिसमें रोजगार के व्यापक अवसर बनते हैं। दरअसल भारत 'मैन्यूफैक्चरिंग हब' के बजाय 'ट्रेडिंग देश' बनता जा रहा है। चीन से आयात बढऩा इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। इधर विश्व बैंक के साथ-साथ कुछ अन्य एजेंसियों और संस्थाओं की भी रपटें सामने आई हैं। ऐसी रपटें भारत की अर्थव्यवस्था, सामाजिक स्थितियों, श्रम-शक्ति और भागीदारी, हमारी औसत आय आदि के विभिन्न पहलुओं के अध्ययन और सर्वेक्षण पर आधारित होती हैं, लिहाजा उन्हें सिरे से नकारा नहीं जा सकता। यदि भारत सरकार पारदर्शी, स्पष्ट और निष्पक्ष डाटा देश के सामने पेश करती रहती, तो इन रपटों की कोई जरूरत ही नहीं थी और देश के औसत नागरिक के सामने तमाम स्थितियां साफ होतीं। जो भी डाटा सरकारी विभाग जारी करते हैं, वे या तो अद्र्धसत्य होते हैं अथवा यथार्थ को ढक कर चलते हैं। बहरहाल अब आकलन यह किया जा रहा है कि यदि भारत को 2047 में 'विकसित राष्ट्र' बनना है, तो उसकी सालाना आर्थिक विकास दर 7.8 फीसदी लगातार होनी चाहिए, लेकिन अभी 2025-26 के बजट में विकास दर 6.5 फीसदी का अनुमान लगाया गया है। लगभग यही अनुमान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का है। वास्तव में यह विकास दर 5 फीसदी के करीब होगी, क्योंकि कई समीकरणों, तथ्यों, उत्पादन, मुद्रास्फीति की दर आदि का सही मूल्यांकन बाद में ही किया जा सकता है। अभी भारत में प्रति व्यक्ति आय करीब 2.20 लाख रुपए सालाना बताई जाती है, जबकि विकसित देश बनने के लिए यह कमोबेश 15.48 लाख रुपए होनी चाहिए। भारत में करीब 100 करोड़ लोगों के पास इतना अतिरिक्त पैसा नहीं है कि वे गैर-जरूरी चीजों पर भी खर्च कर सकें। मात्र 10 फीसदी भारतीयों के पास ही निरंतर खर्च करने की क्षमता है। क्या भारत की अर्थव्यवस्था और जीडीपी 10 फीसदी लोगों के बूते ही है? यदि भारत को वाकई 'विकसित देश' बनना है, तो श्रम की भागीदारी 65 फीसदी या उससे अधिक होनी चाहिए, जबकि यह भागीदारी फिलहाल 56.4 फीसदी है। आम आदमी की औसत आय करीब 28 फीसदी बढ़ी है, जबकि उद्योगपतियों और अमीरों की आय में 350 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह आर्थिक असमानता भारत का यथार्थ है, लिहाजा विकसित अर्थव्यवस्था को लेकर इतराना नहीं चाहिए। अभी तो भारत 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था होने से काफी पीछे है, लिहाजा 5 ट्रिलियन डॉलर तो बहुत दूर की कौड़ी है। वैसे दावे तो 30 ट्रिलियन डॉलर के भी किए जा रहे हैं। जिस देश में 81 करोड़ से अधिक लोगों को, हर माह, मुफ्त अनाज मुहैया कराया जा रहा हो और यह योजना 2029 तक जारी रहनी हो, तो वह देश 2047 तक विकसित देशों की जमात में शामिल कैसे हो सकता है? दरअसल मुफ्तखोरी की राजनीति देश के एक वर्ग को आलसी, निकम्मा बना रही है और अर्थव्यवस्था को खोखला कर रही है, लिहाजा भारत में कौशल की कमी है, उत्पादन की कमी है, आय-व्यय के समीकरण असंतुलित हैं। अर्थव्यवस्था कैसे विस्तार पाएगी? 10 फीसदी लोगों के सहारे ही देश कब तक चलेगा? यह भारत का भीतरी यथार्थ है। चूंकि आय में अधिक बढ़ोतरी नहीं है अथवा आय के स्रोत सूखते जा रहे हैं, तो असर औसत बचत पर भी पड़ेगा। भारत में बचत में करीब 44 फीसदी की कमी आई है। जो बचत 2019-20 में 11 लाख करोड़ रुपए से अधिक थी, अब 2024-25 में वह घट कर 6.52 लाख करोड़ रुपए हो गई है। देश में बेरोजगारी और महंगाई पर कोई नियंत्रण नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार और भाजपा-एनडीए का यह संकल्प है और देश की जनता का भी आह्वान किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने भारत को दुनिया के लिए 'कारखाना' करार दिया है, जबकि यह अद्र्धसत्य लगता है, क्योंकि भारत मैन्यूफैक्चरिंग (विनिर्माण, उत्पादन आदि) में पिछड़ता जा रहा है। लक्ष्य तय किया गया था कि इस क्षेत्र का जीडीपी में योगदान कमोबेश 25 फीसदी होना चाहिए, लेकिन यह हिस्सेदारी 15 फीसदी से भी कम हो गई है। यह ऐसा क्षेत्र है, जिसमें रोजगार के व्यापक अवसर बनते हैं। दरअसल भारत 'मैन्यूफैक्चरिंग हब' के बजाय 'ट्रेडिंग देश' बनता जा रहा है। चीन से आयात बढऩा इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। इधर विश्व बैंक के साथ-साथ कुछ अन्य एजेंसियों और संस्थाओं की भी रपटें सामने आई हैं। ऐसी रपटें भारत की अर्थव्यवस्था, सामाजिक स्थितियों, श्रम-शक्ति और भागीदारी, हमारी औसत आय आदि के विभिन्न पहलुओं के अध्ययन और सर्वेक्षण पर आधारित होती हैं, लिहाजा उन्हें सिरे से नकारा नहीं जा सकता।

आयकर कानून की विभिन्न कमियों को दूर करने के लगातार छोटे-छोटे प्रयास किए जाते रहे

आयकर सुधार की ऐतिहासिक पहल

डा. जयंतीलाल भंडारी

वित्तमंत्री सीतारमण ने पिछले वर्ष जुलाई 2024 के बजट भाषण में कहा था कि मौजूदा आयकर कानून की कई धाराएं अपनी प्रासंगिकता खो चुकी हैं। ये धाराएं विशेष आर्थिक क्षेत्र, दूरसंचार, पूंजीगत लाभ सहित कर छूट एवं कटौती जैसे मामलों में कारगर नहीं रह गई हैं। साथ ही इसके तहत कानूनी जटिलताएं कर अनुपालन में मुश्किलें और मुकदमेबाजी में लगातार वृद्धि हुई है। ऐसे में नया आयकर विधेयक कानून बनने के बाद आयकर कानून 2025 के रूप में एक अप्रैल 2026 से मौजूदा आयकर कानून 1961 की जगह ले लेगा।

हाल ही में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा लोकसभा में पेश किया गया नया आयकर विधेयक भारत की आयकर व्यवस्था में सुधार और पारदर्शिता के साथ-साथ राजस्व बढ़ाने के लिए एक बड़ी कोशिश का अहम हिस्सा है। वित्तमंत्री सीतारमण ने पिछले वर्ष जुलाई 2024 के बजट भाषण में कहा था कि मौजूदा आयकर कानून की कई धाराएं अपनी प्रासंगिकता खो चुकी हैं। ये धाराएं विशेष आर्थिक क्षेत्र, दूरसंचार, पूंजीगत लाभ सहित कर छूट एवं कटौती जैसे मामलों में कारगर नहीं रह गई हैं। साथ ही इसके तहत कानूनी जटिलताएं कर अनुपालन में मुश्किलें और मुकदमेबाजी में लगातार वृद्धि हुई है। ऐसे में नया आयकर विधेयक कानून बनने के बाद आयकर कानून 2025 के रूप में एक अप्रैल 2026 से मौजूदा आयकर कानून 1961 की जगह ले लेगा। यदि हम देश में आयकर का इतिहास देखें तो पाते हैं कि वर्ष 1860 में सर जेम्स विल्सन द्वारा आयकर की शुरुआत की गई थी, लेकिन देश में एक सुव्यवस्थित कर प्रणाली के रूप में वर्ष 1922 में व्यापक आयकर कानून लागू हुआ, जिसने सही मायनों में न केवल विभिन्न आयकर प्राधिकरणों को औपचारिक रूप प्रदान किया, बल्कि एक सुव्यवस्थित प्रशासनिक रूपरेखा की नींव भी रखी। वर्ष 1961 में मौजूदा आयकर कानून लागू किए जाने के बाद से अब तक आयकर कानून की विभिन्न कमियों को दूर करने के लगातार छोटे-छोटे प्रयास किए जाते रहे। खासतौर से 1981 में कम्प्यूटरीकरण की शुरुआत के साथ हुई तकनीकी प्रगति ने इलेक्ट्रॉनिक रूप से आयकर चालान की प्रोसेसिंग करने पर ध्यान केंद्रित किया। इस परिप्रेक्ष्य में वर्ष 2009 में ई-फाईल और पेपर रिटर्न की व्यापक प्रोसेसिंग को संभालने के लिए सेंट्रलाइज्ड प्रोसेसिंग सेंटर (सीपीसी) की स्थापना की गई। पिछले एक दशक से आयकर कानून में जो अहम सुधार किए गए हैं, उससे जहां आयकरदाताओं को सुविधा मिली, वहीं आयकरदाताओं की संख्या बढ़ाने में भी मदद मिली है। इन सुधारों में प्रमुख रूप से करदाता चार्टर (टैक्सपेयर चार्टर) और पहचान रहित समीक्षा (फेसलेस असेसमेंट) तथा करदाताओं के लिए पहचान रहित अपील (फेसलेस अपील) व्यवस्था महत्वपूर्ण है। इसके अलावा नॉन फाइलर्स, मॉनिटरिंग सिस्टम (एनएमए) के जरिए ऐसे लोगों की पहचान की जाती है जिन्होंने हाई वैल्यू ट्रांजैक्शन किया है, पर आयकर रिटर्न दाखिल नहीं किया है। इन

विभिन्न प्रयासों से पिछले 10 वर्षों में आयकर रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या और आयकर संग्रह में तेज वृद्धि देखी गई है। लेकिन अभी भी बड़ी संख्या में उद्योग-कारोबार सेक्टर में कार्यरत रहते हुए कमाई करने वाले, महंगी आरामदायक व विलासिता की वस्तुओं का उपयोग करने वाले तथा पर्यटन के लिए विदेश यात्राएं करने वालों में से भी बड़ी संख्या में लोग या तो आयकर न देने का प्रयास करते हैं या फिर बहुत कम आयकर देते हैं। स्थिति यह है कि वर्ष 2023-24 में देश के 140 करोड़ से अधिक लोगों में से सिर्फ 8.09 करोड़ लोगों ने आयकर रिटर्न दाखिल किए। इनमें से भी 4.90 करोड़ लोगों ने शून्य कर योग्य आय की सूचना दी। सिर्फ 3.19 करोड़ लोगों ने ही आयकर दिया है। ऐसे में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में आयकर का योगदान बहुत कम बना हुआ है। दुनिया की कई छोटी-छोटी अर्थव्यवस्थाओं में संग्रहित किए जाने वाले आयकर का उनकी जीडीपी में बड़ा योगदान है। वस्तुतः कर संग्रह में तेज वृद्धि से बुनियादी ढांचे, सामाजिक सेवाओं और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए सरकार की क्षमता बढ़ती है। सरकार की मुट्ठियों में बढ़ता कर राजस्व न केवल अर्थव्यवस्था के नवनिर्माण में मदद करता है, बल्कि यह सरकार को अपने करदाताओं के प्रति जवाबदेह भी बनाता है। साथ ही यह वित्तीय वर्ष की बेहतर योजना और बजट बनाने में मदद करता है। खासतौर से इस समय जब वर्ष 2047 में देश को विकसित देश बनाने का लक्ष्य रखा गया है, तब जीडीपी में आयकर का योगदान बढ़ाया जाना जरूरी दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि आयकर संबंधी विभिन्न मुश्किलों और चुनौतियों के निराकरण के लिए नए आयकर विधेयक में प्रभावी प्रावधान दिखाई दे रहे हैं। नए आयकर विधेयक को संक्षिप्त, स्पष्ट तथा पढने-समझने में आसान बनाते हुए 23 अध्यायों में समेटा गया है। इस विधेयक में 622 पृष्ठ हैं, जबकि मौजूदा कानून में 823 पृष्ठ हैं। शब्द संख्या भी घटाई गई है। मौजूदा कानून के 5.20 लाख शब्दों से घटाकर नए विधेयक में केवल 2.60 लाख रखी गई है। मौजूदा कानून में आरंभ में केवल 298 धाराएं थीं, मगर प्रावधान जुड़ते गए और अब कुल 819 धाराएं हो गई हैं। नए विधेयक ने इन्हें घटाकर 536 कर दिया है। नए आयकर विधेयक में 'चार्टर ऑफ टैक्सपेयर्स' है, जिससे कर व्यवस्था में विश्वास और पारदर्शिता बढ़ेगी। वेतनभोगी करदाताओं के लिए विभिन्न प्रावधानों को सहज बनाते हुए हर तरह की कटौती को एक ही धारा के तहत रख दिया गया है। नए विधेयक में मुकदमेबाजी कम करने और टैक्स मामलों को जल्दी सुलझाने पर ध्यान दिया गया है। पुराने कानून में इस्तेमाल किए गए जटिल शब्दों को सरल बना दिया गया है। अब 'असेसमेंट ईयर' की जगह 'टैक्स ईयर' होगा। टैक्स ईयर 1 अप्रैल से 31 मार्च तक रहेगा। अब क्रिप्टोकरेंसी और अन्य डिजिटल एसेट्स को कैपिटल एसेट माना जाएगा और उन पर टैक्स लगाया जाएगा। इससे डिजिटल संपत्तियों पर टैक्स सिस्टम के बारे में अधिक स्पष्टता आएगी। नए टैक्स रिजीम के साथ ओल्ड टैक्स रिजीम भी जारी रहेगा। निश्चित रूप से नए आयकर विधेयक में आयकर अधिकारियों के अधिकारों और शक्तियों को बढ़ाया गया है। नए आयकर विधेयक में गलत या अधूरी जानकारी देने पर भारी जुर्माना सुनिश्चित किया गया है। जानबूझकर टैक्स चोरी करने वालों पर मुकदमा चलाया जा सकता है। बकाया टैक्स का भुगतान न करने पर अधिक ब्याज और पेनल्टी है। आय छिपाने पर अकाउंट सीज और संपत्ति जब्त करने के अधिकार होंगे। इन सबसे आयकर संग्रहण बढ़ेगा और ईमानदार करदाताओं को लाभ होगा। निश्चित रूप से एक अप्रैल 2026 से लागू होने वाले नए आयकर कानून की वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर होगी कि इस कानून को कितने कारगर तरीके से लागू किया जाता है। इस कानून की वास्तविक परीक्षा यह भी होगी कि यह कर संबंधी मुकदमों में कितनी कमी लाएगा। निःसंदेह व्यक्तिगत आयकर के मामले में सरकार ने नई कर प्रणाली लागू करके बेहतर किया है, लेकिन रियायतों और कर दरों का ढांचा अब भी जटिल बना हुआ है। इसे सरल बनाने के लिए सरकार को प्राथमिकता से ध्यान देना होगा। साथ ही कर दरें घटाने पर भी ध्यान देना होगा।

दृष्टि कोण

आत्मनिर्भरता में आर्थिक चुनौतियों का समाधान

अमेरिका ने यह घोषणा की है कि वह अब अपने मूल्यवान आर्थिक संसाधनों को तीसरी दुनिया के देशों में क्यों लौटाए। वर्ष 1961 से अमेरिका एक आर्थिक सहायता कार्यक्रम चला रहा था, जिसके तहत पिछड़े देशों में मानवीय और आर्थिक संसाधनों का विकास किया जाता था, और लोकतंत्र की स्थापना की दिशा में काम किया जाता था। इस कार्यक्रम के तहत अमेरिका सालाना करीब 496 करोड़ डॉलर खर्च करता था। भारत में लोकतंत्र को प्रोत्साहित करने और वोटरों को मतदान के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से अमेरिका प्रतिवर्ष एकमुश्त रकम खर्च करता था। हालांकि, डोनाल्ड ट्रम्प ने सत्ता संभालते ही इस सहायता को बंद कर दिया, यह मानते हुए कि हर देश को अपनी लोकतांत्रिक व्यवस्था को खुद मजबूत करना चाहिए। इतना ही नहीं, जब मोदी मैत्री वार्ता के लिए अमेरिका गए, तो वार्ता शुरू होने से पहले अमेरिका ने अपनी टैरिफ नीति घोषित कर दी, जिसका मूलमंत्र था 'जैसे को तैसा'। हाल ही में डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत के बारे में यह बयान दिया कि भारत के पास पर्याप्त धन है और वह टैक्स उगाहने में माहिर है, इसलिए अमेरिका भी अपने आयात में ऊंचे टैक्स लगाकर इसका प्रतिवाद करेगा। अमेरिका का आरोप है कि भारत ने उसके सामान पर उच्च टैक्स लगा रखा था, जबकि अमेरिका भारतीय आयात पर कम टैक्स लगाता था। फलतः ट्रम्प ने भारत पर भी टैरिफ बढ़ा दिए। अर्थशास्त्री कहते हैं कि अगर अमेरिकी नीतियों से महंगाई बढ़ती है तो इससे भारत में मुद्रास्फीति पर नियंत्रण पाना मुश्किल हो जाएगा। इसके अलावा, यदि भारतीय निर्यात पर 20 प्रतिशत का टैरिफ लागू कर दिया जाता है, तो भारत की जीडीपी में गिरावट हो सकती है। यह स्थिति खासतौर पर चिंताजनक है, क्योंकि भारत 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखता है। इसके लिए आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को अपनी जीडीपी में 8 प्रतिशत की विकास दर बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। पिछले वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही में भारत की विकास दर 7 प्रतिशत से घटकर पौने 6 प्रतिशत पर आ गई थी। हालांकि, भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) का अनुमान है कि भारत 7 प्रतिशत विकास दर हासिल करने में सक्षम रहेगा। लेकिन अब अमेरिकी हित संरक्षण की नीति सामने आ गई है, जिसमें ट्रम्प भारत के साथ 'जैसे को तैसा' नीति लागू करने की बात कर रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप, भारत के विभिन्न उद्योगों को नुकसान हो सकता है। यदि यह टैरिफ शुल्क लागू हो जाता है, तो भारतीय निर्यात क्षेत्र को बड़ा धक्का लगेगा। निर्यातकों को टैरिफ चुकाने के बाद उनकी लागत पूरी नहीं हो पाएगी, जिससे वे निर्यात बढ़ाने के प्रति कम उत्साहित हो सकते हैं। इस वर्ष के नए आंकड़े दर्शाते हैं कि हमारा निर्यात पिछले वर्ष की तुलना में कम हो गया है, जबकि आयात की मांग में कोई कमी नहीं आई। अब स्थिति यह बन गई है कि यदि अमेरिका से आने वाली वस्तुएं महंगी हो जाती हैं और हमारी मांग लगातार बनी रहती है, तो रुपये का मूल्य डॉलर के मुकाबले गिरता जाएगा। जिसका मतलब है कि आयातित वस्तुएं महंगी हो जाएंगी। यदि अमेरिका अपनी दरें बढ़ाकर इसे भारतीय टैरिफ के बराबर कर देता है, तो इससे भारत में आयातित वस्तुएं महंगी हो जाएंगी, जिससे मुद्रास्फीति को और बढ़ावा मिलेगा। सरकार को इस दिशा में गंभीरता से सोचना होगा। हालांकि, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और ट्रंप सरकार की मनमानी से शेयर बाजार को भारी नुकसान हुआ है। यह विदेशी निवेश की दृष्टि से एक निराशाजनक स्थिति है। इस समय चुनौती यह है कि जो वस्तुएं हम अमेरिका से मंगवाते हैं, उनमें जीवनरक्षक दवाइयां, निर्माण कार्य में उपयोग होने वाले उपकरण और विद्युत उपकरण आदि शामिल हैं, जो भारतीय निवेशकों के लिए भी कई मायनों में महत्वपूर्ण हैं। यदि ये तमाम वस्तुएं महंगी हो जाती हैं, तो भारतीय निवेश पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, और निर्यात वस्तुओं का उत्पादन घटने की संभावना बढ़ जाएगी। इससे साफ है कि भारत के विकास दर को बनाए रखने का लक्ष्य मुश्किल हो जाएगा। निर्विवाद रूप से अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप के सत्ता में आने के बाद उपजे हालात में चुनौती के मुकाबले के लिये इसका एकमात्र समाधान केवल आत्मनिर्भरता, लघु और कुटीर उद्योगों के विकास और सहकारिता आंदोलन को गति देने में है। इससे देश की विपुल श्रम शक्ति का उपयोग हो पाएगा। इससे जहां हमारी आर्थिक स्थिति को संबल मिलेगा, वहीं युवाओं का विदेश पलायन भी रुकेगा।

कुछ अलग

महाकुंभ में आशावाद...

देश में सदियों से निराशा और आशा के बीच कई लोग चले। आश्चर्य यह कि निराशा में खुद को समेटते-समेटते भी कई सफल हो गए। आशा में सफलता तब तक रूठी रहेगी, जब तक पगार हमारे साथ रहेगी। ऐसी कोई पगार नहीं है जो किसी को निराश न करे। आशा तो दिहाड़ी में है। सुबह को शाम में बदलने के लिए केवल सूरज ही दिहाड़ी नहीं लगाता, बल्कि हर दिहाड़ी में दिन है और पगार में रात है। वैसे निराशा और आशा के बीच देश पहले ही संपत्तियों का बंटवारा कर चुका है। जिन्हें अधिक मिलीं उन्हें निराशा है, लेकिन जहां लैंडलैस को सरकार देने का वादा करती है, वहां शाश्वत आशा है। शाश्वत आशा न भगवान दे सकता, न ही भाग्य और न ही भारतीय लोकतंत्र, लेकिन चुनाव चाहे पंचायत का हो, विधानसभा का हो या संसद के लिए हो, आशा बार-बार जन्म लेती है। अब तो हालत यह कि आशा चलती सरकारों से नहीं, बल्कि दलबदलुओं से मिलती है। हमें आशा हर दलाल से है, हर रिश्वत में यह आशा है कि अब सौ फीसदी काम होगा। आप बिना रिश्वत के घूम आइए सरकारी व्यवस्था में, मिलेगी तो निराशा ही। निजी बनाम सरकारी क्षेत्र में सफलता का राज निराशा है। देश और देश की व्यवस्था निजी क्षेत्र को निराशा में सफल होने की अभिलाषा सिखाती है। इसीलिए वहां पूछा जाता है कि किसमें ज्यादा निराशा है, स्वामी या प्राइवेट कर्मचारी में। निराशा अब खानदानी नुस्खा जैसी है। अकसर बड़े-बड़े व्यापारिक घराने हमेशा निराशा के मूड में रहते हैं। अत्यधिक धन दौलत पाकर भी जो निराश रहता है, वही अमीर बने रह सकता है। देश का आशावाद तो कर्मचारी अपने सिर पर उठाते हैं। जो महंगाई में, बैंक लोन की किस्तों में और पगार के साथ जुड़े परिवार के रिश्तों में आशा देख सकता है, वहीं रीढ़ की हड्डी वाला कर्मचारी है। हमारे देश की आशा अब घर के बजाय विदेश में ज्यादा दिखती है। पूरे विश्व में हमारी आशा का अंतरराष्ट्रीयकरण समझना हो, तो अमरीका में ट्रंप की जीत में मिल जाएगा। हमें उम्मीद है कि ट्रंप हमारे बारे में सोचता रहेगा। इसी तरह हमारी आशा चीन को भी सोचने पर मजबूर कर देगी एक दिन। आशा और निराशा के बीच प्रतिस्पर्धा को समझना हो तो भैंस से पूछो। वह कभी भी आशा के साथ छप्पड़ में नहीं जाती, बल्कि निराशा उसे वहां बार-बार ले जाती है। सदियों से उसे यह समझ नहीं आ रहा कि छप्पड़ में घुसना आसान है या बाहर निकलना। खैर समझ हमारी अक्ल को भी नहीं आ रहा कि वह बड़ी है या भैंस। लोगबाग अक्ल और भैंस के मुकाबले में कभी अडानी की ओर देखते हैं, कभी ट्रंप की ओर, तो कभी अमरीका की जनता की ओर देख कर खुश होते हैं कि वहां भी चुनाव में आशा और निराशा के बीच कोई फैसला नहीं हो रहा। दरअसल आशा और निराशा दोनों सगी बहनें हैं। निराशा बड़ी और आशा छोटी। मुश्किल यह कि इनकी एक जैसी सूरत के कारण हम निराशा में अक्सर आशा को पुकारते हैं और आशा में निराशा को निहारते हैं। बढ़ती आबादी देख देश निराशा के साथ होता है, लेकिन झोंपड़ी में भी बच्चे की किलकारी पर कोई गरीब आशावादी होता है। हम डालडा घी के किसी पुराने डिब्बे में आशा को संजो सकते हैं या धारावी की झुग्गी बस्ती में आशा के साथ जी सकते हैं। हमारा आशावाद पूरे विश्व में कौतुक पैदा करता है। शेष विश्व में कोई ऐसी आशा नहीं कि महाकुंभ जैसा उत्साह इकट्ठा करा दे। हम पाप धोने के लिए भी आशा कर सकते हैं। एक सदी के बाद एक साथ नहाने की आशा कर सकते हैं।

देश दुनीया से

मोदी और केरल में ईश्वर का हाथ

हो सकता है थरूर की टिप्पणियों पर उठा नवीनतम विवाद भी सप्ताहांत तक ठंडा पड़ जाए, खासकर जब केरल कांग्रेस के नेताओं और पार्टी आलाकमान के बीच 2026 में केरल के आगामी चुनाव को लेकर होने वाली तैयारी बैठक होगी, और सांसद की आहत हुई भावना को शांत करने का प्रयास किया जाए। पार्टी के सभी गुटों के बीच एकता दिखाने की बात पहले ही कही जा रही है। वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी, वहां से पूर्व सांसद और उनके भाई राहुल गांधी और कांग्रेस संगठन के प्रभारी महासचिव और अलपुझा से सांसद केसी वेणुगोपाल—इस पुरानी पार्टी में सबसे शक्तिशाली तिकड़ी- निश्चित रूप से अपने चुनावी अभियान की अगुवाई इस पेशकारी से करेंगे 'भगवान के अपने देश में सब ठीक है और कांग्रेस अगले साल सत्ता में वापस आएगी।' सिवाय इसके कि दक्षिणी राज्य में मंथन चल रहा है और अरब सागर की फ़िजां इन दिनों कुछ बदली-सी है। पिछले हफ्ते कोचीन में हुए निवेशक शिखर सम्मेलन में भाजपा नेता पीयूष गोयल और केरल के मुख्यमंत्री और सीपीआई (एम) नेता पिनाराई विजयन को दिल खोलकर हंसते हुए देखा गया। कुछ ही दिनों बाद, सीपीएम ने केरल की अपनी सभी पार्टी इकाइयों को एक नोट भेजा, जिसमें बताया गया कि पार्टी मोदी सरकार को 'फासीवादी या नव-फासीवादी' क्यों नहीं बता रही। इसमें कोई संदेह नहीं कि यह टिप्पणी 6 मार्च को कोल्लम में होने जा रहे सीपीएम के 24वीं पार्टी सम्मेलन में बहस के केंद्र में होगी। कुछ लोगों का कहना है कि यह पार्टी में शक्तिशाली प्रकाश करात गुट द्वारा अपनाई कांग्रेस विरोधी नीति की वापसी है- पिछले सितंबर में सीताराम येचुरी की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु के बाद, जिन्होंने हमेशा विपक्षी एकता के लिए जोर दिया और मानते थे कि कांग्रेस पार्टी इसका धड़कता दिल है। इसलिए इन दिनों केरल में थरूर की महत्वाकांक्षाओं से बड़ा सवाल यह है कि क्या वामपंथी भाजपा के प्रति नरम रुख अपना रहे हैं? और क्या वे कोल्लम पार्टी सम्मेलन में भाजपा को नहीं, बल्कि कांग्रेस को वामपंथ का मुख्य राजनीतिक दुश्मन बताने की ओर लौटेंगे— यह सब इसलिए क्योंकि राज्य में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ इसकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी है? तो कल्पना कीजिए कि इस सोच की कितनी संभावना है, खासकर जब भाजपा दक्षिण भारत में अपनी जगह बनाने के वास्ते कड़े प्रयास कर रही है। क्या विजयन और नरेन्द्र मोदी केरल में कांग्रेस को खत्म करने के वास्ते सच में एकजुट हो सकते हैं, भले ही यह पूरी तरह से पर्दे के पीछे हो? प्रिय पाठक, इस विचार को जरा यहीं थामकर रखें, क्योंकि अभी और भी बहुत कुछ बाकी है। हाल ही में इंडिया टुडे मूड ऑफ द नेशन सर्वे ने हैरान किया कि केरल में भाजपा का वोट शेयर हर दिन बढ़ रहा है- लोकसभा चुनाव में उसे 17 प्रतिशत वोट मिले थे, लेकिन यदि आज चुनाव हों तो यह 24 प्रतिशत हो सकता है। और वोट शेयर में 2 प्रतिशत की गिरावट के साथ वामपंथियों को नुकसान होगा। आप कल्पना कर सकते हैं कि भाजपा इतनी खुश क्यों है। राजधानी दिल्ली समेत, उत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में जीत हासिल करने के बाद- हिमाचल प्रदेश की चार सीटें अपने पास होने और पंजाब की 13 सीटों पर अगली नज़र के साथ- उसे पता है कि अब दक्षिणी मोर्चे में भी सेंध लगाना जरूरी है। कुछ समय से तमिलनाडु पर ध्यान केंद्रित होने की वजह से जाहिर है केरल में विस्तार पर जोर कम रहा। केरल के सर्वप्रिय गुरुवायूर मंदिर गृहक्षेत्र त्रिशूर से पिछले साल पूर्व अभिनेता सुरेश गोपी ने लोकसभा सीट जीतकर भाजपा के खिलाफ रही केरल की वर्जना को तोड़ा था। पार्टी का मानना है कि नायर समुदाय, जो कभी वामपंथियों की रीढ़ हुआ करता था, बहुत जल्द उसकी तरफ झुक जाएगा। भाजपा अपनी इन उम्मीदों में गलत नहीं है। यहां तक कि पिछले कुछ दशकों से केरल के मध्यवर्ग को कट्टर वामपंथी होने के बावजूद पास के मंदिर में जाकर दीया जलाने में कुछ भी गलत नहीं दिखता। बड़ी समस्या, ज़ाहिर है, यह है कि भाजपा के पास अभी भी राज्य में नेतृत्व करने के लिए कोई उचित चेहरा नहीं है- पूर्व आईटी मंत्री राजीव चंद्रशेखर काफी पढ़े-लिखे हैं और थरूर से तिरुवनंतपुरम छीन भी सकते थे, सिवाय इसके कि उन्होंने ऐसा किया नहीं। इसलिए जब चार बार के कांग्रेस सांसद ने पिछले हफ़्ते कहा 'अगर पार्टी मेरी ताकत का इस्तेमाल करना चाहती है, तो मैं बना रहूंगा, अगर नहीं, तब मेरे पास दूसरे विकल्प हैं', तो पूरे देश में चटपटी राजनीतिक चर्चा छिड़ गई। तो क्या थरूर कांग्रेस छोड़कर भाजपा या वामपंथ में शामिल होंगे? क्या वे कांग्रेस के भीतर ज़्यादा जगह बनाने को कसमसा रहे हैं, उदाहरण के लिए, मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनने की खातिर दबाव डालना? ऐसे में केरल की तिकड़ी—प्रियंका गांधी, राहुल गांधी और वेणुगोपाल- क्या थरूर को मनाने में भूमिका निभाएगी? क्या संयुक्त राष्ट्र के पूर्व राजनयिक भारतीयता के आकर्षण को त्यागकर न्यूयॉर्क वापस लौट जाएंगे, और अपनी 30वीं किताब लिखेंगे? तथ्य यह है कि भले ही केरल में थरूर की ज़मीनी पकड़ रमेश चेन्निथला, वीडी सतीसन और केसी वेणुगोपाल जैसे नेताओं जितनी मज़बूत न हो, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर मशहूर वे ही हैं, न कि ये तीनों- वेणुगोपाल भी नहीं, हालांकि, उन्हें गांधी परिवार का मज़बूत समर्थन हासिल है। बेशक, यह कहना अभी बहुत जल्दबाजी होगी, लेकिन अगर रामचंद्र गुहा जैसे बुद्धिजीवी थरूर का समर्थन कर रहे हैं, तो केरल में भी ज़मीन थोड़ी बदल सकती है। बिना शक यह दलील सबको पता है। यह उस व्यक्ति का साथ देने जैसा है जो ठंडे मुल्क से केवल 2009 में आया और फिर भी चार बार लोकसभा सीट जीतने में सक्षम रहा —यह उपलब्धि कोई छोटी नहीं है। इसके अलावा थरूर वेणुगोपाल नहीं हैं, जिनके सिर पर ईश्वर का वरदहस्त है। निश्चित रूप से, कांग्रेस को प्रथम परिवार की सख्त पकड़ से ढीला करना होगा, जो पार्टी की रोजाना की राजनीति की हर करवट और हरकत का दम घोंट रही है। शशि थरूर की महत्वाकांक्षा—भले ही उनको प्रभावशाली ईसाई एवं हिंदू समुदायों का समर्थन हासिल न हो —इस ओर एक स्वस्थ कदम है। इसी बीच, भाजपा दिनो-दिन अपना भारी-भरकम विजयरथ विन्ध्य पर्वतमाला के पार ले जाने में जोर लगा रही है।

आप का नजरीया

पाक पीएम का हास्यास्पद दावा

भारत पाकिस्तान के बीच क्या तुलना की जा सकती है? भारत अतुलनीय, ताकतवर, विकसित होता राष्ट्र है, जबकि पाकिस्तान को दुनिया के कई देश 'नाकाम देश' करार दे चुके हैं। फिर भी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने छाती ठोंकते, कुछ उछलते, दावा किया है, मुल्क को भरोसा देने की कोशिश की है कि अगर रब ने चाहा, तो एक दिन पाकिस्तान हिंदुस्तान से आगे होगा! हम खूब मेहनत करेंगे, तो इंशाल्लाह हिंदुस्तान से आगे जरूर जाएंगे। पाकिस्तान के वजीर-ए-आजम की यह गालबजाई हास्यास्पद है। भारत और पाकिस्तान एक साथ स्वतंत्र और संप्रभु देश बने थे, लेकिन आज भारत विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और पाकिस्तान 45वें स्थान पर है। भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) फिलहाल 336 लाख करोड़ रुपए का है, जबकि पाकिस्तान की कुल अर्थव्यवस्था मात्र 32 लाख करोड़ रुपए की है। भारत की अर्थव्यवस्था 10 गुना अधिक है। पाकिस्तान भीख और दान पर जिंदा है। हाल ही में उसने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से 60,000 करोड़ रुपए का उधार मांगा है। कर्ज भारत सरकार पर भी है, लेकिन हमारा प्रधानमंत्री देश-विदेश कर्ज की गुहार लगाता नहीं घूमता। पाकिस्तान कभी चीन, कभी सऊदी अरब या संयुक्त अरब अमीरात, तो कभी कतर आदि देशों से भीख मांगता रहा है। बदले में उसे मुल्क की जमीन-जायदाद पैसा देने वाले देशों को सौंपनी पड़ती है। वहां वे देश अपनी परियोजनाओं को विस्तार देते हैं। भारत और पाकिस्तान की तुलना किस आधार पर की जा सकती है? भारत की आर्थिक विकास दर 8 फीसदी से भी ज्यादा रही है। बजट में 2025-26 की विकास दर भी 6 फीसदी से अधिक आंकी गई है, जबकि पाकिस्तान की विकास दर मात्र 2.38 फीसदी है। इसमें भी कितनी हकीकत है और कितना फसाना है? भारत सरकार अब भी 81 करोड़ से अधिक नागरिकों में प्रति माह मुफ्त अनाज बांट रही है, जबकि पाकिस्तान में आटे की एक बोरी के लिए भी मारा-मारी मची है। मुद्रास्फीति की दर असहनीय है। लोग अनाज और अन्य रोजमर्रा की चीजों के लिए लंबी-लंबी कतारों में लगे रहते हैं, फिर भी असंख्य हाथ खाली रहते हैं। आजीविका मुश्किल है, तो आबोदाना भी नसीब से ही मिल रहा है। यह पाकिस्तान हिंदुस्तान से आगे बढ़ेगा? पाकिस्तान ने आईएमएफ से जितना उधार मांगा है, उतनी तो भारत सरकार खाद पर सबसिडी दे देती है। लोकसभा में पेश किए गए बजट में संघशासित क्षेत्र जम्मू-कश्मीर के लिए ही 41,000.07 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कितना भी उछलते रहें या छाती ठोंक लें, लेकिन हजारों साल तक पाकिस्तान भारत को पीछे नहीं कर सकता। उन्होंने यह दावा तब किया है, जब अमरीकी संसद में एक प्रस्ताव रखा गया है कि पाकिस्तान में जम्हूरियत (लोकतंत्र) ही नहीं है। वहां के सेना प्रमुख और आतंकियों में नापाक गठजोड़ है। हुकूमत असहाय है। अमरीकी संसद ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख पर 'पाबंदी' लगाने तक की बात कही है। भारत के राजनयिक क्षितिज त्यागी ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के मंच पर पाकिस्तान को न केवल 'नाकाम देश' करार दिया, बल्कि यह भी कहा कि ऐसे देश पर चर्चा करने में परिषद कीमती वक्त बर्बाद कर रही है।

विधानसभा में हंगामा : कांग्रेस विधायक की गाली, जेल सुरक्षा पर उठा सवाल

जयपुर (हिंस)। राजस्थान विधानसभा में सोमवार को गृह विभाग की अनुदान मांगों पर बहस के दौरान कांग्रेस विधायक श्रवण कुमार के मुंह से गाली निकल गई, जिससे सदन में हंगामा मच गया। श्रवण कुमार कांग्रेस के ही वरिष्ठ विधायक शांति धारीवाल पर तंज कस रहे थे, लेकिन बहस के दौरान वे खुद ही अभद्र भाषा का प्रयोग कर बैठे। श्रवण कुमार ने जेल में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर सवाल उठाते हुए कहा कि विधानसभा में मोबाइल नहीं चलता तो जेल का मोबाइल क्यों चलता है? इसी दौरान वे बहस के प्रवाह में गाली दे बैठे। भाजपा विधायकों ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई, लेकिन श्रवण कुमार ने पलटकर कहा कि यह ज्ञान की बात है, ले लो। इसके बाद जेलों में सुरक्षा की खामियों पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि वहां के हालात बदतर हैं। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जेलों की सरप्राइज चेकिंग पहले से तय कर ली जाती है, जिससे अपराधी सतर्क हो जाते हैं और वहां मिठाइयां तक परोसी जाती हैं। श्रवण कुमार ने सदन में बड़ा दावा करते हुए कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री को जेल में बंद अपराधियों द्वारा धमकी दी गई है। उन्होंने इसे कानून व्यवस्था की विफलता करार देते हुए कहा कि जब जेल से मुख्यमंत्री को धमकी दी जा रही है तो राज्य की सुरक्षा व्यवस्था का क्या हाल होगा? सदन में हाल ही में *दादी* शब्द पर हुए विवाद के बाद अब *बाप* शब्द पर भी आपत्ति जताई गई। कांग्रेस विधायक शांति धारीवाल ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा के नेता अपराधियों को बचाते हैं। बिना हेलमेट पकड़े जाने पर बीजेपी कार्यकर्ता ट्रैफिक पुलिस से कहता है-ले तेरे पिताजी से बात कर। इस पर संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने आपत्ति जताई और इसे कार्यवाही से हटाने की मांग की, जिसे सभापति ने स्वीकार कर लिया। गृह और जेल विभाग की बहस के दौरान कांग्रेस विधायक हरिमोहन शर्मा ने रीट परीक्षा में अभ्यर्थियों की जनेऊ उतरवाने का मामला उठाया। उन्होंने मुख्यमंत्री पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जब पंडित मुख्यमंत्री के राज में ब्राह्मणों की जनेऊ उतर जाए तो फिर क्या बचता है? विधानसभा में मंत्री किरोड़ी लाल मीणा द्वारा फोन टैपिंग के आरोपों पर पूर्व गृह मंत्री शांति धारीवाल ने तंज कसते हुए कहा कि एक मंत्री कहता है मेरा फोन टैप हो रहा है, फिर वही मंत्री कहता है नहीं हो रहा। क्या तमाशा है? ऐसी सरकार पहले कभी नहीं देखी।

मोहाली पुलिस ने पकड़ा नकली आईएएस

चंडीगढ़ (हिंस)। मोहाली पुलिस ने एक फर्जी आईएएस अधिकारी को गिरफ्तार किया है, जो इलाके में भारत सरकार की प्लेट लगी हुई गाड़ी में घूमता था और कई लोगों को नौकरी का झांसा देकर ठगी कर चुका है। आरोपी की पहचान राजस्थान निवासी पवन कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार आरोपी बाहरी राज्यों से लोगों को नौकरी का झांसा देकर मोहाली लाता था और उन्हें महंगे होटलों में ठहरता था। वह लोगों के सामने अपने प्रभावशाली संपर्कों का दिखावा करता था, जिससे कोई उस पर संदेह नहीं करता था। लेकिन इस बार वह अपने व्यवहार से फंस गया। बताया गया कि पवन कुमार जिस होटल में ठहरा था, वह कुछ लोगों को लेकर वहां आया था। इसी दौरान किसी बात को लेकर उसकी उनसे बहसबाजी हो गई। होटल के कर्मचारियों को उस पर शक हुआ, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर उससे पूछताछ की और उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी दिव्यांग है और उसे चलने में दिक्कत होती है। उसकी उम्र भी करीब 30 से 35 साल के बीच है।

पंजाब सरकार जल्द लाएगी नई औद्योगिक नीति

मंत्रिमंडल की बैठक में दो नई वन टाइम सेटलमेंट योजनाओं को मंजूरी

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की अध्यक्षता में सोमवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में पंजाब सरकार ने कई महत्वपूर्ण लिये हैं। इस बैठक में पंजाब सरकार ने जल्द ही नई औद्योगिक नीति लाने के साथ उद्योगपतियों को बड़ी राहत देते हुए दो वन टाइम सेटलमेंट योजनाओं को भी मंजूरी दी है। सोमवार को मंत्रिमंडल की बैठक से पहले लुधियाना के कारोबारी और राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा ने मुख्यमंत्री मान से मुलाकात कर उनके साथ व्यापारियों से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की थी। इस बैठक में सासंद अरोड़ा भी मौजूद रहे। बैठक के बाद राज्य के उद्योग मंत्री तरुणप्रीत सिंह सोंध ने पत्रकारों को बताया कि सरकार ने उद्योगपतियों के लिए वन टाइम सेटलमेंट की दो योजनाओं को मंजूरी दी है। इसमें पहली योजना लैंड एन्हांसमेंट स्कीम है, जिसके तहत उद्योगपतियों को आठ प्रतिशत साधारण ब्याज के साथ अपने बकाया राशि का भुगतान करना होगा। इस योजना में कंपाउंडिंग ब्याज और पेनल्टी माफ कर दी गई है। उन्होंने बताया कि दूसरी योजना प्रिंसिपल अमाउंट से जुड़ी ओटीएस स्कीम है, जिसमें भी 8 प्रतिशत ब्याज देना होगा। लोगों की सुविधा के लिए दो हेल्प काउंटर भी स्थापित किए जाएंगे। दोनों योजनाएं 31 दिसंबर तक लागू रहेंगी। उम्मीद की जा रही है कि इससे कम से कम 4,000 लोगों को लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि जल्द ही एक नई औद्योगिक नीति लाई जाएगी। सरकार की कोशिश है कि इसे देश के अन्य राज्यों से बढ़िया बनाया जाए।

सिंधी समाज के वरिष्ठ नागरिकों की नि:शुल्क तीर्थ यात्रा शुरू

जोधपुर (हिंस)। सिंधी वेलफेयर एंड मेडिकल सोसायटी सिंधु महिला मंडल के सिंधु महल की ओर से सिंधी समाज के वरिष्ठ नागरिकों के लिए पांच दिवसीय निशुल्क तीर्थ यात्रा सोमवार को शुरू हुई। सिंधी समाज के वरिष्ठ नागरिक जोधपुर से हरिद्वार और हरिद्वार से ऋषिकेश (देवभूमि) के लिए आज जोधपुर रेलवे स्टेशन से रवाना हुए। सिंधु महल के अध्यक्ष कन्हैयालाल टेवानी और उपाध्यक्ष दिनेश बंबानी ने बताया कि यात्रा को लेकर

समाज के वरिष्ठ नागरिकों में काफी उत्साह देखा गया। इस दौरान मंगलवार को हरिद्वार में विधि विधान से अज्ञात अस्थियों का विसर्जन हरिद्वार में किया जाएगा।

पायलट का सरकार पर हमला

कहा, सवा साल का कार्यकाल निराशाजनक

पाली (हिंस)। एनएसयूआई की *नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो* यात्रा में शामिल होने पहुंचे पूर्व उपमुख्यमंत्री और एआईसीसी महासचिव सचिन पायलट ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का अब तक का सवा साल का कार्यकाल पूरी तरह से निराशाजनक रहा है। खुद सत्ताधारी पार्टी के विधायक भी काम नहीं होने से परेशान हैं और प्रशासन पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं दिख रहा है। मंत्री किरोड़ी लाल मीणा के इस्तीफे के सवाल पर पायलट ने कहा कि वे मंत्री हैं या नहीं, यह भी स्पष्ट नहीं है। वे इस्तीफा देना चाहते हैं, लेकिन सरकार उसे स्वीकार नहीं कर रही, वहीं उनके विभाग में काम भी ठप पड़े हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री मीणा द्वारा उठाए गए मुद्दों का भाजपा सरकार को जवाब देना चाहिए। रीट परीक्षा में अभ्यर्थियों की जनेऊ उतरवाने के मामले पर पायलट ने कहा कि सरकार नकल रोकने के बड़े-बड़े दावे कर रही थी, लेकिन उन्हें पूरी तरह सफलता नहीं मिली। उन्होंने केंद्र सरकार पर भी हमला बोलते हुए कहा कि बैंक लोन और शेयर बाजार में कुछ गिने-चुने लोगों को फायदा पहुंचाया जा रहा है। आर्थिक अपराध हो रहे हैं, जिनकी परतें अब खुलने लगी हैं। राहुल गांधी पहले ही जेपीसी की मांग को लेकर इस मुद्दे को उठा चुके हैं। पायलट ने कहा कि एनएसयूआई की साइकिल यात्रा कोई चुनावी अभियान नहीं, बल्कि एक सामाजिक अभियान है। इसका मकसद युवाओं को नशे से दूर रखना है। अब तक 15,000 से अधिक युवाओं को नशा न करने की शपथ दिलाई जा चुकी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सामाजिक सरोकार निभा रही है, जबकि भाजपा सरकार जनहित के मुद्दों को नजरअंदाज कर रही है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर होगा महिलाओं का सम्मान

जयपुर (हिंस)। राजस्थान प्रदेश माली-सैनी महासभा (रजि.) और नृत्यम सोशल व कल्चरल ऑर्गेनाइजेशन के तत्वावधान में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। इस विशेष आयोजन में महिलाओं की उपलब्धियों का उत्सव मनाया जाएगा तथा समानता और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए प्रेरणादायक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। कार्यक्रम आयोजक काजल सैनी ने बताया कि इस समारोह का आयोजन 8 मार्च को पिंकसिटी प्रेस क्लब, नारायण सिंह सर्किल, जयपुर में दोपहर 1 बजे से किया जाएगा। इस कार्यक्रम की थीम *गुलाबी नगरी की तर्ज पर गुलाबी* रखी गई है, जो जयपुर की पहचान को दर्शाने के साथ-साथ महिलाओं की शक्ति, सौंदर्य और आत्मविश्वास का प्रतीक भी है। आयोजन के अंतर्गत सभी महिलाओं को गुलाबी परिधान में आने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से होगा। इस अवसर पर समाज में विशेष योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। आयोजन के तहत पोस्टर का विमोचन भी किया गया है। कार्यक्रम से जुड़ी मीनाक्षी सैनी (टीना सैनी) ने बताया कि इस समारोह में कई प्रतिष्ठित हस्तियां एवं विशिष्ट अतिथि आमंत्रित हैं, जिनमें शहर सांसद मंजू शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, जयपुर नगर निगम हेरिटेज

महापौर कुसुम यादव, पद्मश्री गुलाबो सपेरा, पूर्व सचिव खेल बोर्ड एवं सहायक निदेशक शारीरिक शिक्षा राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर डॉ. प्रीति शर्मा, किशनगढ़ विधानसभा विधायक प्रत्याशी और श्रीयादे शक्ति सेना युवा प्रदेश अध्यक्ष पुखराज प्रजापति सहित अन्य गणमान्यजन शामिल होंगे। इनकी उपस्थिति से यह कार्यक्रम और भी खास बन जाएगा। कार्यक्रम से जुड़ी पूजा विनीत ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के अंतर्गत विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रतिभागी अपनी कला, संगीत, नृत्य और अन्य रचनात्मक प्रतिभाओं का प्रदर्शन करेंगी। इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता को बढ़ावा देना, उन्हें सशक्त बनाना तथा समाज में उनकी भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाना है। पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में रूपाली खंडेलवाल, शेषाद्री सिंह, अश्विनी लखन, ममता यादव, सत्यनारायण सैनी, डॉ. अर्चना भार्गव, अरविंद सैनी, विमल सैनी, नवरतन सैनी, शुद्धि सैनी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

दोस्त ही निकला कांग्रेस नेता हिमानी का हत्यारा, फेसबुक पर हुई थी दोस्ती

रोहतक (हिंस)। हरियाणा के रोहतक में कांग्रेस नेता हिमानी नरवाल की हत्या मामले में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। हिमानी की हत्या किसी और ने नहीं, बल्कि उसके दोस्त ने की थी। मामले की जांच में जुटी एसआईटी ने आरोपी को दिल्ली से गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान खुलासा हुआ कि किसी बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हुआ था और आरोपी ने मोबाइल चार्जर की वायर (तार) से हिमानी का गला घोटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव सूटकेस में डालकर सांपला बस स्टैंड के पास फेंक कर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से मृतका की सोने की चैन, अंगूठी, लैपटॉप व मोबाइल फोन बरामद किया है। जांच में यह बात भी सामने आई कि करीब एक साल पहले दोनों की सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक पर दोस्ती हुई थी और उसके बाद से ही दोनों में बातचीत थी। पुलिस आरोपी से आगे की पूछताछ कर रही है। सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में हत्याकांड का खुलासा करते हुए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक केके राव ने बताया कि देर रात एसआईटी को सूचना मिली थी कि आरोपी दिल्ली के मुंडका क्षेत्र में है। इसी आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही एसआईटी ने इस बारे में दिल्ली पुलिस को भी सूचना दी। पूछताछ में आरोपी की पहचान झज्जर जिले के गांव खैरपुर निवासी सचिन उर्फ ढिल्लु के रूप में हुई, जोकि झज्जर में मोबाइल फोन की दुकान चलाता है। आरोपी शादी शुदा है और उसके दो बच्चे भी हैं। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि करीब एक साल पहले फेसबुक के जरिए दोनों की दोस्ती हुई थी और वह हिमानी के घर आता-जाता रहता था। घटना वाले दिन किसी बात को लेकर दोनों में झगड़ा हो गया और उसने हिमानी की हत्या कर दी। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। हिमानी हत्याकांड में गिरफ्तार किए गए आरोपी सचिन ने बताया कि उसने हिमानी के घर पर ही उसकी हत्या की और बाद में शव को सूटकेस में डालकर आटो के जरिए सांपला पहुंचा और सड़क किनारे सूटकेस को फेंक दिया।

फागोत्सव : राधा-कृष्ण संग खेली पुष्प होली, गाए फाग गीत

जोधपुर (हिंस)। फागुन माह में शहर के विभिन्न मंदिरों व सामुदायिक भवनों में फागोत्सव की धूम है। मंदिरों में होरियां गूंज रही है। महिलाएं व श्रद्धालु ठाकुरजी के समक्ष फाग गीतों की प्रस्तुतियां देकर भक्ति में सराबोर नजर आ रहे है। इसी कड़ी में मंडोर स्थित प्राचीन जीवण माता मंदिर में रविवार को रंगारंग फागोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें आनंदी लाल माथुर व भावनेश माथुर के संयोजन में यादगार सांस्कृतिक संध्या का आयोजन हुआ। इस अवसर पर चौपासनी भजन मंडली ने मनमोहक फाग गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में कायस्थ समाज के सैंकड़ों लोगों ने भाग लिया और भक्ति तथा होली के रंगों में डूबकर पारंपरिक गीतों का आनंद लिया। इसी तरह श्री विश्वकर्मा जांगिड़ सखियों की ओर से शास्त्री नगर सेक्टर ए स्थित श्री विश्वकर्मा जांगिड़ पंचायत भवन के सभागार में श्री विश्वकर्मा जांगिड़ सखी फागोत्सव का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का

शुभारंभ अतिथियों द्वारा स्मृति शेष समाजसेवी रामचंद्र जांगिड़ की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर तथा आराध्य देव भगवान विश्वकर्मा एवं मां सरस्वती की तस्वीर पर माल्यार्पण कर व दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। तत्पश्चात सभी आगंतुकों का अबीर-गुलाल से तिलक लगाकर व दुपट्टा ओढ़ाकर पुष्प वर्षा के साथ स्वागत-सम्मान किया गया। आयोजन समिति की विनती भाकरेचा, स्नेहलता जादम, सुनिता शर्मा, आशा शर्मा, पूजा मांकड़ व शचि शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ. रेणु जांगिड़, आरएएस गोमती शर्मा, डॉ. वंदना शर्मा के आतिथ्य में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान समाज की मीरा झाला सहित अनेक महिलाओं ने फाग गीतों व होरी गायन तथा नन्हे मुन्ने बच्चों ने नृत्य की शानदार प्रस्तुतियां दी, जिन पर फाल्गुनियां पोशाक में सजी-धजी महिलाएं राधाकृष्ण बने बच्चों के साथ पुष्प होली खेलते हुए व थिरकते हुए आनंद-उन्माद में सराबोर नजर आई। अतिथियों द्वारा सभी प्रतियोगियों को सम्मानित किया गया। मंच संचालन ऋतु जांगिड़ ने किया। फागोत्सव आयोजन समिति एवं गुर्जरगौड़ सखियों द्वारा रंग पुष्प मल्हार फागोत्सव का आयोजन श्री गौतम सभा भवन में किया गया। कार्यक्रम में कृष्ण व राधा की झांकी बनायी गई एवं मनमोहन प्रस्तुति दी। फागोत्सव समिति की अध्यक्ष जयश्री राणेजा ने बताया कि फागोत्सव में पुष्प होली खेली गई जिसमें पारंपरिक होरिया ओर कृष्ण भजन प्रस्तुति दी गई। समिति सदस्य आशा तिवारी ने सभी महिला शक्ति को आयोजन में पधार कर सफल बनाने का धन्यवाद ज्ञापित किया। समिति सदस्य खुशी उपाध्याय ने बताया कि आयोजन में श्री कृष्ण राधा को पुष्पों की होली खिलाई गई। इसी के साथ फाग संबधी प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन हुआ। कविता पंचारिया ने बताया महिलाओं ने रजिस्ट्रेशन में बहुत उत्साह दिखाया। इसमें पहले दस महिलाओं को आकर्षक उपहार दिए गए। चौपासनी हाउसिंग बोर्ड के मारवाड अपार्टमेंट सोसायटी के पास लिंगेश्वर महादेव मंदिर में मंगलवार शाम चार बजे फाग महोत्सव का आयोजन किया जाएगा।

नीतीश सरकार का सर्वस्पर्शी बजट *समृद्ध बिहार* के संकल्पना को मूर्त रूप देगा : उमेश सिंह कुशवाहा

पटना (हिंस)। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने नीतीश सरकार द्वारा पेश किए गए बजट 2025-26 को सर्वस्पर्शी, समावेशी और लोक-कल्याणकारी बताया है। सोमवार को उन्होंने यहां कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, कृषि, उद्योग, अधो-संरचना निर्माण, रोजगार सृजन और युवा कल्याण सहित तमाम क्षेत्रों के लिए बजट में महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं, जो कि प्रदेश के विकास को अभूतपूर्व गति प्रदान करेगा। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 3 लाख 17 हजार करोड़ रुपए का बजट पेश किया गया है, जो कि वित्तीय वर्ष 2005-06 से 17 गुणा अधिक है। बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के लिए एक हजार करोड़ का राशि तय किया गया है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को उच्च शिक्षा से जोड़ने में कारगर साबित होगा। छात्रों को मिलने वाली प्री-मैट्रिक छात्रवृति दर को दोगुना करने का निर्णय ऐतिहासिक और सराहनीय है। साथ ही अनुसूचित जाति-जनजाति छात्रवास अनुदान को भी दोगुना किया गया है। उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि प्रदेश के बड़े शहरों में पिंक बस सर्विस शुरू होगी, जिसमें सवारी, ड्राइवर और कंडक्टर महिलाएं होंगी। महिला चालकों को ई-रिक्शा और दो पहिया गाड़ी खरीदने के लिए भी सरकारी अनुदान दिया जाएगा। इसके साथ ही आधी आबादी की सामाजिक सुरक्षा को देखते हुए कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल बनाए जाएंगे एवं आर्थिक सशक्तिकरण हेतु महिला हाट की स्थापना का कदम स्वागतयोग्य है। उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि जनआकांक्षाओं के अनुरूप ऐतिहासिक बजट के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित राज्य सरकार एवं समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई।

खाकी तक नहीं पहुंच रही हथकड़ी, दुष्कर्म आरोपी सिपाही एक माह बाद भी आजाद

मुरादाबाद (हिंस)। मुरादाबाद के थाना मूंढापांडे क्षेत्र निवासी एक युवती ने बीती जनवरी माह में सीतापुर में तैनात सिपाही मोनू आर्य के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज कराया था। जिसमें पीड़िता ने आरोप लगाते हुए बताया था कि जब वह नाबालिग थी तब सिपाही ने दुष्कर्म किया और वीडियो बना भी लिया था। इसके बाद आरोपी ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल किया। थाना पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर पीड़िता के बयान भी दर्ज कर लिए थे। लेकिन आरोपी सिपाही को अभी भी पुलिस गिरफ्तार नहीं कर पाई है। मामले में पुलिस अधीक्षक नगर कुमार रणविजय सिंह ने सोमवार को बताया कि फरार आरोपी सिपाही को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पीड़िता ने तहरीर में बताया था कि भगतपुर के मिलक मेवाती गांव निवासी मोनू आर्य यूपी पुलिस में सिपाही है। वर्तमान में उसकी तैनाती सीतापुर में है। छह साल पहले सिपाही का उसके घर आना-जाना था। उस वक्त पीड़िता नाबालिग थी। सात जुलाई 2019 की दोपहर करीब ढाई बजे आरोपी ने घर में घुसकर पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया और मोबाइल से वीडियो भी बना लिया था। शिकायकतकर्ता पीड़िता ने आगे बताया था कि जब उसने विरोध किया था तो आरोपी ने बालिग होने पर शादी करने का झांसा देकर शांत करा दिया। पीड़िता जब बालिग हो गई और शादी की बात कही तो आरोपी वीडियो वायरल करने की धमकी देने लगा। इसकी शिकायत आरोपी की बहन और भाई से की तो उन्होंने शादी कराने का आश्वासन दिया लेकिन आरोपी ने शादी नहीं की। दो माह पहले आरोपी मोनू सीतापुर से उसके घर आया और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपी ने शादी करने से भी इन्कार कर दिया। तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ बीती 31 जनवरी को केस दर्ज कर लिया गया था। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि मामले में पीड़िता के बयान भी दर्ज हो गए हैं। मामले में जांच चल रही हैं जल्द ही आरोपी सिपाही को गिरफ्तार करके मुरादाबाद लाया जाएगा। दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली पीड़िता ने पुलिस को दी तहरीर में यह बताया कि जब उसने सिपाही के खिलाफ कार्रवाई की बात कही तो आरोपी और उसके परिजनों ने मामले को दबाने का प्रयास किया। इस मामले को लेकर आरोपी और उसके परिजनों ने पंचायत कराई। जिसमें आरोपित, उसके भाई, बहन, माता-पिता ने गांव के अन्य लोगों के जरिये पांच लाख रुपए पीड़िता के परिवार को देने का लालच दिया।

बजट प्रतिक्रिया में सत्ता में बैठे लोगों को बिहार की तरक्की कैसे हो इसकी चिंता नहीं है : तेजस्वी यादव

पटना (हिंस)। बिहार विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 का 3.17 लाख करोड़ रुपए का बजट आज पेश किया गया। वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने दूसरी बार राज्य का बजट पेश किया। बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस बजट बेकार का बजट बताया। उन्होंने कहा कि बिहार के हित में यह बजट नहीं है। सत्ता में बैठे लोगों को बिहार की तरक्की कैसे हो इसकी चिंता नहीं है। हमारी पार्टी सत्ता में बैठे लोगों का पोल खोलने का काम करेगी। विधानसभा परिसर के में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार प्रति व्यक्ति आय और किसानों की आय में काफी पीछे है। सबसे ज्यादा बेरोजगारी और गरीबी में बिहार में है। नौकरी और रोजगार कैसे बढ़े, पेपर लीक कैसे रुके इसकी चर्चा बजट में नहीं की गई है। लॉ एंड ऑर्डर पर भी चर्चा नहीं की गई। पुलिस का मॉडर्नाइजेशन कैसे हो इसके बारे

में कोई चर्चा बजट में नहीं की गई। लोगों का पलायन को कैसे रुके इसकी भी चर्चा नहीं की गई। दिव्यांग भाईयों की ना तो चर्चा हुई और ना ही महिलाओं को आर्थिक न्याय देने की बारे में कोई चर्चा की गई। महिलाओं के लिए पिंक बस चलाने की योजना पर तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार ट्रांसपोर्ट का बस तो ठीक से चल नहीं पाता है ये पिंक बस चलाएंगे। तेजस्वी ने कहा कि यह बेकार का बजट है बिहार के हित में नहीं है। बिहार की तरक्की कैसे हो इन लोगों को चिंता नहीं है। अब हम इन लोगों का पोल खोलने का काम करेंगे। झूठ का पुलिंदा चलने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने गुजरात को क्या-क्या दिया और बिहार को केंद्र ने कितना दिया इसकी भी चर्चा होनी चाहिए। इस सरकार से बिहार की जनता मायूस तो पहले से थी अब इस बजट से सरकार से विश्वास लोगों का उठ चुका है।

बिहार बजट : योजना व्यय में खर्च होंगे 1,16,759.60 करोड़

पटना (हिंस)। बिहार के वित्त मंत्री ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 3,16,895.02 करोड़ रुपए का बजट पेश किया। जो पिछले बजट की तुलना में 13.69 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इसमें से कुल योजना व्यय 1,16,759.60 करोड़ रुपए निर्धारित किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 16.7 प्रतिशत अधिक है। राज्य सरकार का स्थापना और प्रतिबद्धता व्यय 2,00,135.42 करोड़ रुपए अनुमानित है। वेतन व्यय के लिए एक महत्वपूर्ण हिस्सा आवंटित किया गया है। बजट में वेतन के लिए 81,473.45 करोड़ रुपए और पेंशन के लिए 33,389.43 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। राज्य के बकाया ऋण पर ब्याज भुगतान की राशि 23,013.94 करोड़ रुपए होगी, जबकि सार्वजनिक ऋण के पुनर्भुगतान के लिए 22,819.87 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं। बजट का लक्ष्य राजकोषीय घाटे को राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के 2.98 प्रतिशत पर रखकर राजकोषीय अनुशासन बनाए रखना है, जो 3 प्रतिशत की सीमा से नीचे है। राज्य सरकार का कुल बकाया ऋण 4,06,476.12 करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है, जो 2025-26 के लिए राज्य के अनुमानित जीएसडीपी 10,97,264 करोड़ रुपए का 37.04 प्रतिशत है। राज्य के राजस्व खाते से व्यय 2,52,000.26 करोड़ रुपए निर्धारित किया गया है, जबकि पूंजीगत व्यय 64,894.76 करोड़ रुपए निर्धारित किया गया है, जो कुल व्यय का 20.48 प्रतिशत है। इसके अतिरिक्त, पूंजीगत व्यय को केंद्र सरकार से ऋण के रूप में और सहायता मिल सकती है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट का रुख बना हुआ है। भाव में आई इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 86,610 रुपये से लेकर 86,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये से लेकर 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी कमजोरी दर्ज की गई है, जिसे कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 96,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 86,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 86,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 86,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 79,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 86,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 86,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 86,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 86,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 79,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 86,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में मामूली गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 86,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

आईफोन 15 फोन पर चल रहे हैं कार्ड डिस्काउंट

नई दिल्ली। अगर आप आईफोन खरीदने के बारे में सोच रहे हैं, यह समय आपके लिए उपयुक्त है। वर्तमान में आईफोन 15 फोन पर कार्ड डिस्काउंट चल रहे हैं। इसकी वजह से फोन की कीमत ज्यादा डाउन हो गई है। आप भी इसे खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो हम कुछ टिप्स देने जा रहे हैं। एप्पल आईफोन 15 (128जीबी) की एमआरपी 69,900 रुपए है, लेकिन आप इसे फ्लिपकार्ट पर 7प्रतिशत डिस्काउंट के बाद 64,999 रुपए में खरीद सकते हैं। साथ ही इस पर कार्ड डिस्काउंट भी अलग से चल रहे हैं। फोनपे यूपीआई ट्रांजैक्शन पर करीब 1प्रतिशत का डिस्काउंट मिल सकता है। लीपकार्ट एक्सीस कार्ड से पेमेंट करेंगे तो 5 प्रतिशत का अनलिमिटेड कैशबैक मिलता है। आईडीएफसी फ्रस्ट पावर वूमेन प्लेटिनियम कार्ड से पेमेंट करने पर 5 प्रतिशत का डिस्काउंट मिल सकता है। ऐसे में आपको अलग-अलग डिस्काउंट ऑफर्स हासिल करने पर काफी सस्ता मिल सकता है। पुराना फोन वापस करने पर आपको अलग से डिस्काउंट मिल सकता है। इसे एक्सचेंज ऑफर का नाम दिया गया है। एक्सचेंज ऑफर के तहत आपको ये फोन 39,150 रुपए सस्ता मिल सकता है। लेकिन इतना सस्ता फोन हासिल करने के लिए आपके पुराने फोन की कंडीशन ठीक होनी चाहिए और ये पुराने फोन के मॉडल पर भी डिपेंड करता है। अगर ये डिस्काउंट भी आपको पूरा मिल जाता है तो आईफोन 15 आपको महज 25,849 रुपए में मिल सकता है। फोन की कंपनी की तरफ से 1 साल की वारंटी मिल रही है। आईफोन 15 के फीचर्स को लेकर आपको ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है। इस फोन में 6.1 इंच सुपर रेटिना एक्सडीआर डिस्प्ले दिया जाता है। फोन में डुअल रियर कैमरा दिया जाता है जिसका प्राइमरी कैमरा 48एमपी मिलता है। साथ ही आईफोन 15 में 12एमपी फ्रंट कैमरा मिलता है। इसकी मदद से आपके लिए सेल्फी या शॉर्ट वीडियो शूट करना आसान हो जाता है।

पैसे नहीं डाले जाने पर बंद हो सकते हैं ये अकाउंट्स

नई दिल्ली। पब्लिक प्रॉविडेंट फंड (पीपीएफ) और सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाय) अकाउंट में अगर चालू वित्त वर्ष में इनमें पैसे नहीं डाल पाए, तो अकाउंट एक्टिव रखने के लिए 31 मार्च 2025 तक कुछ रुपए जरूर डाल दें। इन अकाउंट में पैसे नहीं डाले जाने पर ये अकाउंट्स बंद हो सकते हैं। अगर न्यूनतम जरूरी रकम नहीं डाली, तो इन्हें दोबारा एक्टिव करवाने के लिए आपको जुर्माना देना पड़ेगा। आपको अपनी इन योजनाओं में मिनिमम निवेश बनाए रखना होता है ताकि यह पता चल सके कि आपका खाता एक्टिव है। पब्लिक प्रोविडेंट फंड अकाउंट रखने वालों के लिए मिनिमम डिपॉजिट 500 रुपए है यानी आपको इसमें एक वित्त वर्ष में कम से कम 500 रुपए का निवेश करना होता है। ऐसा न करने पर आपका खाता बंद हो सकता है।

बजाज ऑटो की बिक्री फरवरी में दो प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। बजाज ऑटो की फरवरी 2025 में कुल बिक्री सालाना आधार पर दो प्रतिशत बढ़कर 3,52,071 इकाई हो गई। बजाज ऑटो ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने फरवरी 2024 में कुल 3,46,662 इकाइयां बेची थीं। कंपनी ने कहा कि पिछले महीने कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री दो प्रतिशत बढ़कर 2,99,418 इकाई रही, जो एक साल पहले इसी अवधि में 2,94,684 इकाई थी। कंपनी ने कहा कि घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री 14 प्रतिशत घटकर 1,46,138 इकाई रह गई। पिछले महीने दोपहिया वाहनों का निर्यात 23 प्रतिशत बढ़कर 1,53,280 इकाई हो गया। बजाज ऑटो ने कहा कि समीक्षाधीन अवधि में उसके वाणिज्यिक वाहनों की कुल बिक्री एक प्रतिशत बढ़कर 52,653 इकाई हो गई।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। वहीं एशियाई बाजारों में आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लिवाली का जोर नजर आया, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक डेढ़ प्रतिशत से अधिक उछल गए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 92.93 अंक यानी 1.59 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,954.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 309.66 अंक यानी 1.67 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,854.08 अंक के स्तर पर के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.06 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 43,816.48 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.61 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,809.74 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,111.63 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.54 अंक की सांकेतिक मजबूती के साथ 22,551.43 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं।

कोरिया स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से कोस्पी इंडेक्स में कोई कारोबार नहीं हो रहा है। ताइवान वेटेड इंडेक्स फिलहाल 380.55 अंक यानी 1.65 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 22,672.63 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.42 प्रतिशत लुढ़क कर 1,198.64 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,306.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.41 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,911.49 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में जोरदार तेजी नजर आ रही है। फिलहाल ये सूचकांक 211.77 अंक यानी 3.38 प्रतिशत उछल कर 6,482.37 अंक के स्तर पर पहुंच गया है।

विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर फरवरी में 14 महीने के निचले स्तर पर : पीएमआई

नई दिल्ली। नये ठेके और उत्पादन में गिरावट के बीच फरवरी में भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर 14 महीने के निचले स्तर पर आ गई। एक मासिक सर्वेक्षण में सोमवार को यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी भारत विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) फरवरी में 56.3 अंक पर रहा, जो जनवरी के 57.7 अंक से कम है। हालांकि, विनिर्माण पीएमआई विस्तारकारी क्षेत्र में बना हुआ है। पीएमआई की भाषा में 50 से ऊपर अंक विस्तार, जबकि 50 से नीचे का अंक गतिविधियों में संकुचन का संकेत है। एचएसबीसी के भारत में एक मुख्य अर्थशास्त्री ने कह कि हालांकि, दिसंबर 2023 के बाद से उत्पादन वृद्धि सबसे कमजोर स्तर पर आ गई है, लेकिन भारत के विनिर्माण क्षेत्र में कुल मिलाकर गति फरवरी में व्यापक रूप से सकारात्मक रही। सर्वेक्षण में कहा गया कि जनवरी के 14 साल के उच्चतम स्तर से कम होने के बावजूद विस्तार की गति तेज थी। सर्वेक्षण में यह भी कहा गया कि फरवरी में नए निर्यात ऑर्डर में जोरदार वृद्धि हुई, क्योंकि निर्माताओं ने अपने माल की मजबूत वैश्विक मांग का लाभ उठाना जारी रखा। नौकरी के मोर्चे पर, विनिर्माताओं ने फरवरी में अपने कर्मचारियों की संख्या में विस्तार करना जारी रखा।

एआई युग में भारत रहेगा सबसे आगे : पीयूष गोयल

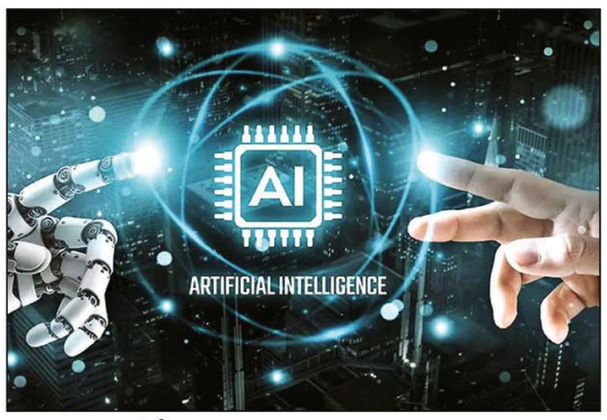

मुंबई

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि मोदी सरकार की दमदार नीतियों के कारण उद्यमियों और इनोवेटर्स को नई डिजिटल लहर का लाभ उठाने में मदद मिलेगी, जिससे भारत एआई युग में सबसे आगे रहेगा। मुंबई टेक वीक 2025 में अपनी बातचीत में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर, पूंजी और कौशल उपलब्धता में किए जा रहे निवेश के साथ मुंबई भारत का टेक हब बन सकता है।` द्रीय मंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, मुंबई टेक वीक 2025 में शानदार बातचीत हुई, जहां मुझे एआई को अपनाने और इसके नैतिक उपयोग में योगदान देने में भारत के लाभ के बारे में विस्तार से बोलने का मौका मिला।

भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाने में लीडरशिप पोजीशन स्थापित कर रहा है। देश ने 2024 में 3 बिलियन एआई- रिलेटेड-ऐप डाउनलोड दर्ज किए, जो अमेरिका के 1.5 बिलियन और चीन के 1.3 बिलियन की संख्या से कहीं आगे था। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला के अनुसार यह दर्शाता है कि भारत यूज केस कैपिटल ऑफ एआई है, जिसका अर्थ है कि देश केवल एआई के बारे में केवल बात ही नहीं कर रहा है या एआई में केवल रिसर्च ही नहीं कर रहा है; यह असल में इसे बड़े पैमाने पर लागू भी कर रहा है। पिछले महीने पेरिस में एआई एक्शन समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बारे में बात की कि कैसे एआई केवल एक राष्ट्रीय मुद्दा नहीं बल्कि एक वैश्विक जिम्मेदारी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक ऐसा एआई होना बहुत जरूरी है जो नैतिक, इंक्लूसिव और भरोसेमंद हो। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि दुनिया एआई युग की शुरुआत में थी, जहां यह टेक्नोलॉजी तेजी से मानवता के लिए कोड लिख रही थी और हमारी राजनीति, अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और समाज को नया आकार दे रही थी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत अपने अनुभव साझा करने के लिए तैयार है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एआई का लाभ सभी तक पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी घोषणा की कि भारत अगले एआई सम्मेलन की मेजबानी करेगा।

ब्रिटिश कोलंबिया में आउटडोर एडवेंचर व ट्रवल शो

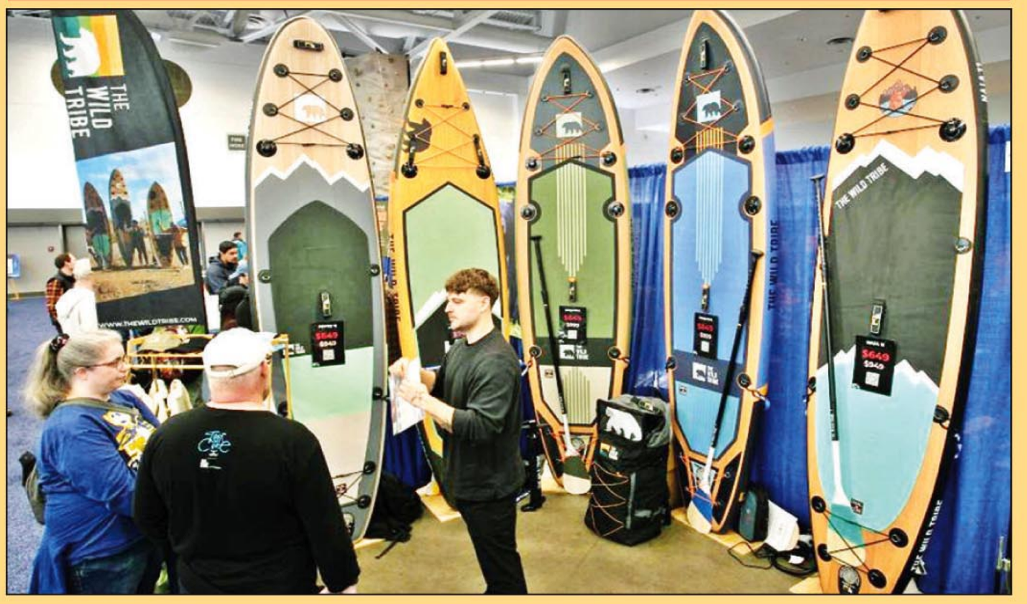

ब्रिटिश कोलंबिया में आउटडोर एडवेंचर व ट्रवल शो में पैडल बोट देखते हुए लोग।

मैंगनीज अयस्क खनन कंपनी मॉयल ने फरवरी में सर्वश्रेष्ठ उत्पादन किया, बिक्री 3 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड (मॉयल) ने फरवरी में अपना बेहतरीन प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी ने फरवरी महीने में 1.53 लाख टन मैंगनीज (एमएन) अयस्क का उत्पादन करके 2025 में अब तक का सर्वश्रेष्ठ परिणाम दिया है। अप्रैल-फरवरी 2025 की समयावधि के दौरान 14.32 लाख टन की बिक्री हुई है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 3 फीसदी अधिक है।

इस्पात मंत्रालय के मुताबिक सरकारी मैंगनीज अयस्क खनन कंपनी ने इस साल फरवरी में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर 1.53 लाख टन मैंगनीज (एमएन) अयस्क का उत्पादन किया है। इसके साथ ही फरवरी में अबतक की सर्वश्रेष्ठ 11,455 मीटर की अन्वेषणात्मक कोर ड्रिलिंग हुई है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 43 फीसदी ज्यादा है।

मॉयल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) अजीत कुमार सक्सेना ने निरंतर प्रयासों से हासिल इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए टीम मॉयल की सराहना की। कंपनी ने उत्पादन और अन्वेषण गतिविधियों दोनों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं हैं, जिससे मैंगनीज अयस्क क्षेत्र में इसका नेतृत्व मजबूत हुआ है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कंपनी आने वाले वर्ष में और अधिक विकास की राह पर अग्रसर होगी। इस कंपनी का मुख्यालय नागपुर, भारत में स्थित है।

महिंद्रा की कुल ऑटो बिक्री 83,702 यूनिट्स रही

मुंबई

फरवरी 2025 के बिक्री आंकड़े जारी करते हुए स्वदेशी कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने बताया कि कंपनी की कुल ऑटो बिक्री 15 प्रतिशत बढ़कर 83,702 यूनिट्स (निर्यात सहित) रही। निर्यात सहित कुल एसयूवी बिक्री 52,386 यूनिट्स रही।

वहीं, कमर्शियल वाहनों की बिक्री 23,826 यूनिट्स पर पहुंच गई। घरेलू बाजार में एसयूवी की मांग में 19प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई, जिससे फरवरी में 50,240 एसयूवी यूनिट्स बिकीं। कंपनी के ऑटोमोटिव डिविजन के अध्यक्ष विजय नाकरा ने कहा कि एसयूवी पोर्टफोलियो को लेकर ग्राहकों की रुचि लगातार बनी हुई है, जिससे फरवरी में बिक्री 19प्रतिशत बढ़कर 50,420 यूनिट्स हो गई। कुल वाहन बिक्री 83,702 यूनिट्स पर पहुंच गई, जो पिछले साल की तुलना में 15प्रतिशत अधिक है। ट्रैक्टर की बिक्री में भी महिंद्रा एंड महिंद्रा को उल्लेखनीय सफलता मिली। फरवरी 2025 में घरेलू स्तर पर ट्रैक्टर बिक्री 23,880 यूनिट्स रही, जो फरवरी 2024 की 20,121 यूनिट्स की तुलना में 19प्रतिशत अधिक है। कुल ट्रैक्टर बिक्री 25,527 यूनिट्स रही, जिसमें 1,647 यूनिट्स का निर्यात शामिल है।

ट्रैक्टर का निर्यात सालाना आधार पर 6 प्रतिशत अधिक है। महिंद्रा के फार्म इक्विपमेंट सेक्टर के अध्यक्ष हेमंत सिक्का ने कहा कि खरीफ फसलों के अच्छे उत्पादन और रबी फसलों के लिए सकारात्मक अनुमानों के चलते ट्रैक्टर की मांग मजबूत बनी हुई है। सरकार द्वारा एग्री क्रेडिट लिमिट बढ़ाने से भी किसानों की आय में वृद्धि होने की उम्मीद है।

किआ ने पहला मॉडल पीवी5 किया पेश

नई दिल्ली। अपनी बियॉन्ड व्हीकल (पीबीवी) रणनीति के तहत कार बनाने वाली कंपनी किआ ने पहला मॉडल पीवी5 पेश किया है। पीवी5 मॉडल को स्पेन के टैरागोना में आयोजित 2025 किआ ईवी दिवस पर प्रदर्शित किया गया। पीवी5 कोरिया और यूरोप में 2025 की दूसरी छमाही में लॉन्च होगा, जबकि अन्य बाजारों में 2026 में आएगा। इसकी प्री-बुकिंग 2025 की पहली छमाही में शुरू होने की उम्मीद है। यह ई-जीएमपी.एस प्लेटफॉर्म पर आधारित है, जो बैटरी-इलेक्ट्रिक स्केटबोर्ड आर्किटेक्चर का उपयोग करता है। इसका मॉड्यूलर डिज़ाइन इसे यात्री परिवहन, कार्गो डिलीवरी और अन्य विशेष रूपांतरणों के लिए उपयुक्त बनाता है।पीवी5 को तीन बॉडी स्टाइल - पैसेंजर, कार्गो और चेसिस कैब में पेश किया जाएगा। इसके अलावा, व्हीलचेयर सुलभ मॉडल , बॉक्स वैन और लाइट कैंपर जैसे व्यावसायिक रूपांतरण विकल्प भी उपलब्ध होंगे। इसमें 51.5केडब्ल्यूएच या 71.2केडब्ल्यूएच एनसीएम बैटरी के विकल्प मिलेंगे, जबकि कार्गो वेरिएंट के लिए 43.3केडब्ल्यूएच एलएफपी बैटरी दी जाएगी।

रणजी ट्रॉफी विजेता विदर्भ को मिले पांच करोड़ रुपये, चैम्पियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल की इनामी राशि के है बराबर

मुम्बई

इस बार रणजी ट्रॉफी विजेता रही विदर्भ को पांच करोड़ की इनामी राशि मिली है जबकि पिछले सत्र में ये 2 करोड़ रुपये थी। ये चैम्पियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली टीम को मिलने वाली राशि के बराबर है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने घरेलू क्रिकेट को प्रोत्साहित करने के लिए राशि को बढ़ाया है।

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने ट्वीट कर इस बदलाव की जानकारी दी थी, जिसका लक्ष्य घरेलू क्रिकेट को और प्रोत्साहित करना है।

यह राशि घरेलू क्रिकेट को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के करीबी लाने की बोर्ड की पहल का हिस्सा है। जहां चैंपियंस ट्रॉफी में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमें हिस्सा लेती हैं, वहीं रणजी ट्रॉफी भारत का शीर्ष स्तर का घरेलू टूर्नामेंट है। इससे पता चलता है कि भारत में क्रिकेट घरेलू स्तर पर अब पहले से कहीं ज्यादा सम्मान और महत्व हासिल कर रहा है। इस प्रकार चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंचना और रणजी ट्रॉफी जीतना इनाम राशि के मामले में तकरीबन बराबर हो गया है।

इसके पीछे बीसीसीआई का घरेलू क्रिकेट को मजबूत करने का लक्ष्य है। है। इसी के तहत नई इनामी राशि के तहत रणजी ट्रॉफी विजेता का इनाम 2 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये कर दिया गया। वहीं उपविजेता को भी अब 3 करोड़ रुपये मिले हैं जबकि पहले ये 1 करोड़ रुपये थे। वहीं अन्य टूर्नामेंट्स में भी बढ़ोतरी हुई है, जैसे दलीप ट्रॉफी विजेता को अब 1 करोड़ रुपये जबकि पहले 40 लाख रुपये मिलते थे। वहीं विजय हजारे ट्रॉफी के विजेता को भी 30 लाख रुपये की जगह 1 करोड़ रुपये और सीनियर विमेंस वनडे ट्रॉफी विजेता को 50 लाख रुपये मिल रहे हैं जबकि पहले 6 लाख रुपये मिलते थे। बीसीसीआई का यह कदम घरेलू खिलाड़ियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है।

वहीं, चैंपियंस ट्रॉफी के इस सत्र में कुल इनामी राशि 6.9 मिलियन डॉलर है। ये साल 2017 के संस्करण से 53 फीसदी अधिक है। इसमें विजेता को 2.24 मिलियन डॉलर (लगभग 19.5 करोड़ रुपये) और उपविजेता को 1.12 मिलियन डॉलर (लगभग 9.78 करोड़ रुपये) मिलेंगे। वहीं सेमीफाइनल में हारने वाली टीम को 560,000 डॉलर यानी करीब 4.89 करोड़ रुपये की राशि मिलेगी।

न्यूज़ ब्रीफ

वरुण ने स्टुअर्ट बिन्नी का रिकॉर्ड तोड़ा

दुबई। भारतीय टीम के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले ही मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच विकेट लेकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इसी के साथ ही वरुण भारतीय टीम की ओर से अपने दूसरे ही एकदिवसीय में पांच विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड स्टुअर्ट बिन्नी के नाम पर था। स्टुअर्ट ने साल 2014 में अपने तीसरे ही एकदिवसीय मुकाबले में बांग्लादेश के खिलाफ 6 रन देकर 4 विकेट लिए थे। वहीं अब वरुण एकदिवसीय करियर में सबसे कम मैचों के अंदर पांच या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में इससे पहले भारतीय टीम की ओर से रविन्द जडेजा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 36 रन देकर पांच विकेट लिए थे। वरुण ने रिकॉर्ड बनाने के बाद कहा कि सबसे पहले तो मुझे शुरुआती दौर में घबराहट महसूस हुई। मैंने एकदिवसीय प्रारूप में भारत के लिए ज्यादा मैच नहीं खेले हैं पर जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, मुझे बेहतर महसूस हुआ।

कृष्णा जयशंकर ने तोड़ा राष्ट्रीय रिकॉर्ड, माउंटेन वेस्ट इंडोर चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता

नई दिल्ली। भारत की कृष्णा जयशंकर ने माउंटेन वेस्ट इंडोर ट्रैक एंड फील्ड चैंपियनशिप में शानदार

प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की शॉट पुट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। 22 वर्षीय कृष्णा ने 16.03 मीटर के प्रयास के साथ न केवल पोडियम पर जगह बनाई, बल्कि भारतीय इनडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। नेवादा विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रही कृष्णा ने शनिवार को हुए फाइनल में अपने अंतिम प्रयास में 16.03 मीटर का थ्रो फेंका, जिससे उन्होंने 2023 में महाराष्ट्र के पूर्णाराव राणे द्वारा स्थापित 15.54 मीटर के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इस प्रतियोगिता में कोलोराडो विश्वविद्यालय की मैया लेंसर ने 19.02 मीटर के प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनके साथी गैबी मोर्न्स ने 17.09 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक पर कब्जा जमाया। न्यू मैक्सिको राज्य के अल्बुकर्क में आयोजित इस प्रतिष्ठित इनडोर प्रतियोगिता में कृष्णा के शानदार प्रदर्शन ने भारतीय एथलेटिक्स में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

जोशुआ चेप्टेगी ने 2025 विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए किया क्वालीफाई

नई दिल्ली। युगांडा के दिग्गज धावक जोशुआ चेप्टेगी ने जापान के टोक्यो में आयोजित मैराथन में शानदार

प्रदर्शन करते हुए 2025 विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता चेप्टेगी ने रविवार को टोक्यो मैराथन में 2 घंटे 5 मिनट 59 सेकंड का समय निकालते हुए नौवां स्थान हासिल किया और विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए निर्धारित 2:06:30 के क्वालीफाइंग समय को पार कर लिया। इस रेस में इथियोपिया के टाडेस ताकेले ने पहला स्थान प्राप्त किया। चेप्टेगी ने क्वालीफाई करने पर खुशी जताते हुए कहा, मैं बहुत उत्साहित हूं कि मैं अपनी दूसरी मैराथन में शीर्ष 10 में जगह बना सका। ट्रैक से मैराथन में आने के बाद से मैं अभी भी सीखने की प्रक्रिया में हूं। युगांडा के ही एक अन्य धावक, स्टीफन किस्सा, 25वें स्थान पर रहे लेकिन क्वालीफाइंग समय को पार करने में असफल रहे। गौरतलब है कि चेप्टेगी ने पिछले साल 42 किमी मैराथन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए 5,000 मीटर और 10,000 मीटर की दौड़ से हटने की घोषणा की थी। उन्होंने 2023 में वालेंसिया मैराथन में अपना डेब्यू किया था, जहां वे 37वें स्थान पर रहे थे।

चैंपियंस ट्रॉफी : सेमीफाइनल में भारत-ऑस्ट्रेलिया की टक्कर, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका आमने-सामने

नई दिल्ली

भारत मंगलवार को दुबई में खेले जाने वाले चैंपियंस ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा। भारत ने रविवार को अपने अंतिम ग्रुप-स्टेज मुकाबले में न्यूजीलैंड को 44 रनों से हराकर अंतिम चार में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले की पटकथा लिखी थी। वहीं, न्यूजीलैंड बुधवार को लाहौर में खेले जाने वाले दूसरे सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगा।

पेचीदा शेड्यूलिंग का असर

टूर्नामेंट के शेड्यूलिंग फैसलों के कारण ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका दोनों पहले ही दुबई पहुंच चुके थे। आईसीसी के एक अधिकारी ने बताया कि 4 मार्च को दुबई में सेमीफाइनल खेलने वाली टीम (ऑस्ट्रेलिया) को तैयारी के लिए अधिकतम समय देने का निर्णय लिया गया था। हालांकि, इससे दक्षिण अफ्रीकी टीम को असुविधा हुई, क्योंकि उन्हें दुबई से पाकिस्तान लौटना पड़ेगा।

न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका की यात्रा

न्यूजीलैंड सोमवार को दुबई से लाहौर के लिए उड़ान भरेगा, जबकि दक्षिण अफ्रीका लगभग 36 घंटे दुबई में बिताने के बाद पाकिस्तान लौटेगा। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर ने कहा, हम 12.30 या 1 बजे (दुबई) से निकलेंगे। हम वहां पहुंचकर आराम करेंगे, प्रशिक्षण लेंगे और पूरी तरह तैयार होंगे।

सेमीफाइनल को लेकर रोहित शर्मा का उत्साह भारतीय कप्तान रोहित शर्मा टीम के प्रदर्शन से संतुष्ट नजर आए। भारत चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप चरण में अपने सभी मैच जीतने वाली एकमात्र टीम रहा। न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के बाद रोहित ने कहा, इतने छोटे टूर्नामेंट में गति बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण है। हम हर मैच जीतने की कोशिश कर रहे हैं और गलतियों को जल्दी सुधारना ही सफलता की कुंजी है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले सेमीफाइनल को लेकर उन्होंने कहा, यह एक बड़ा मुकाबला होने जा रहा है। हम जानते हैं कि ऑस्ट्रेलिया का आईसीसी टूर्नामेंट में शानदार रिकॉर्ड रहा है। यह हमारे लिए अपनी रणनीति सही तरीके से लागू करने का अवसर है। हमें इस मुकाबले का इंतजार है और उम्मीद है कि हम एक और जीत दर्ज कर सकेंगे।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025: चोटिल मैट शॉर्ट की जगह कूपर कोनोली ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल

दुबई

ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल से पहले अपनी चैंपियंस ट्रॉफी टीम में बदलाव किया है। ऑलराउंडर मैट शॉर्ट के चोट के कारण बाहर होने के बाद युवा बाएं हाथ के बल्लेबाज और स्पिनर कूपर कोनोली को टीम में शामिल किया गया है।

शॉर्ट को अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले के दौरान चोट लगी थी, जिससे वे नॉकआउट मुकाबलों के लिए फिट नहीं हो सके। 21 वर्षीय कोनोली पहले से ही टीम के साथ यात्रा रिजर्व के रूप में मौजूद थे, जिससे वे तुरंत चयन के लिए उपलब्ध हो गए हैं।

सेमीफाइनल में भारत से मुकाबला, टीम संयोजन पर विचार

ऑस्ट्रेलिया मंगलवार को दुबई में खेले जाने वाले सेमीफाइनल में भारत का सामना करेगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के बाद भारत सेमीफाइनल में पहुंचा है।

टीम प्रबंधन अब यह तय करेगा कि कोनोली को सीधे प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जाए या फिर विकल्पों पर विचार किया जाए। यदि चयनकर्ता शीर्ष क्रम में बदलाव करना चाहते हैं, तो जेक फ्रेजर-मैकगर्क को मौका दिया जा सकता है। वहीं, यदि टीम एक अतिरिक्त स्पिनर चाहती है, तो तनवीर संघा के चयन पर विचार किया जा सकता है।

स्पिनरों की भूमिका अहम, ज़म्पा ने दी प्रतिक्रिया

दुबई की पिच को देखते हुए स्पिनरों की अहम भूमिका होगी। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में 37.3 ओवर की स्पिन गेंदबाजी कराई थी, जिसमें वरुण चक्रवर्ती ने 42 रन देकर 5 विकेट झटके थे।

ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर एडम ज़म्पा क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा, टूर्नामेंट की प्रकृति को देखते हुए हमें अलग-अलग परिस्थितियों में खेलना पड़ा है। पाकिस्तान और दुबई की परिस्थितियों में थोड़ा अंतर है। पिच धीमी हो सकती है, जिससे विकेट लेने के और मौके बन सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी कर रहा हूं, लेकिन इसके बावजूद टीम के लिए योगदान देना और अहम विकेट लेना मेरे लिए महत्वपूर्ण है।

चीन में बहरीन की टिजिस्टा गैसो महिलाओं की मैराथन

चीन में बहरीन की टिजिस्टा गैसो महिलाओं की मैराथन में फिनिश लाइन पार करने के बाद उत्साहित होती हुई।

42वीं नेशनल सीनियर रोइंग चैंपियनशिप का भोपाल के बड़े तालाब पर होगा शुभारंभ

पांच दिवसीय प्रतियोगिता में 23 राज्यों के 500 प्रतिभागी लेंगे हिस्सा

भोपाल

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के बड़े तालाब स्थित मध्य प्रदेश राज्य वाटर स्पोर्ट्स अकादमी, बोट क्लब पर 42वीं नेशनल रोइंग चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शाम चार बजे इस पांच दिवसीय प्रतियोगिता का शुभारंभ करेंगे। इस प्रतियोगिता में 23 राज्यों के लगभग 500 प्रतिभागी भाग लेंगे। प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बताया कि 42वीं नेशनल सीनियर रोइंग चैंपियनशिप सात मार्च तक आयोजित होगी। मंत्री सारंग ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 14 इवेंट्स होंगे। दो इवेंट्स पैरा सिंगल स्कल महिला एवं पुरुष वर्ग भी शामिल है।

14 इवेंट्स के सभी फाइनल्स सात मार्च को संपन्न होंगे जिसमे सात इवेंट्स सुबह एवं सात की शाम होंगें। सभी स्पर्धाएं 2000 मीटर की दूरी पर आयोजित की जाएंगी।

उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में देशभर की कुल 27 टीमों में से 23 राज्यों की एवं इंडियन आर्मी, इंडियन नेवी, इंडियन एयरफ़ोर्स, और सर्विस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड की टीमों के 500 प्रतिभागी शामिल होंगे। उद्घाटन अवसर पर मध्य प्रदेश राज्य वाटर स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ी रोइंग, क्याकिंग-केनोइंग, सेलिंग और स्लालम खेलों की विशेष प्रस्तुति देंगे। सारंग ने बताया कि इस प्रतियोगिता का लाइव प्रसारण एलईडी स्क्रीन के माध्यम से बोट क्लब सहित शहर के प्रमुख चौराहों पर किया जाएगा।

फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ से हटाया प्रतिबंध, अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेलने का रास्ता साफ

नई दिल्ली

फुटबॉल की विश्व नियामक संस्था फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ (पीएफएफ) पर लगे निलंबन को हटा लिया है। यह फैसला पीएफएफ असाधारण कांग्रेस द्वारा सुझाए गए संवैधानिक परिवर्तनों को मंजूरी मिलने के बाद लिया गया।

पीएफएफ ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 27 फरवरी को पीएफएफ असाधारण कांग्रेस के सफल नतीजे के बाद फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ पर से निलंबन हटा दिया है और उसके पूर्ण सदस्यता अधिकार बहाल कर दिए हैं।

संस्था ने आगे कहा कि वह फीफा और एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के निरंतर समर्थन के लिए आभार व्यक्त करता है और पाकिस्तान

फुटबॉल समुदाय को बधाई देता है।

तीसरी बार लगा था प्रतिबंध

फीफा ने 2017 और 2021 में तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के कारण पाकिस्तान पर दो बार प्रतिबंध लगाया था। 2019 में, संगठन ने पीएफएफ के संचालन और चुनावों की निगरानी के लिए एक सामान्यीकरण समिति गठित की थी। हाल ही में, 7 फरवरी 2025 को फीफा ने निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने वाले संविधान को न अपनाने के कारण पाकिस्तान पर तीसरी बार प्रतिबंध लगाया था। लेकिन अब फीफा द्वारा अनुमोदित संविधान में बदलाव के बाद पीएफएफ को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में हिस्सा लेने की अनुमति मिल गई है।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान की स्थिति पाकिस्तान फुटबॉल टीम का प्रदर्शन बीते वर्षों में निराशाजनक रहा है। टीम 1962 मर्डेका कप और 1997 सैफ चैंपियनशिप में उपविजेता रही थी। हाल ही में, पाकिस्तान ने 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर में हिस्सा लिया, लेकिन सबसे निचले स्थान पर रहा। उसका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला ताजिकिस्तान के खिलाफ था, जिसमें उसे 0-3 से हार मिली थी। फीफा की ताजा रैंकिंग में पाकिस्तान 198वें स्थान पर है। अब टीम अगले 2027 एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में खेलेगी, जहां उसे सीरिया, म्यांमार और अफगानिस्तान के साथ मुकाबला करना है। पाकिस्तान 25 मार्च को सीरिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा।

झपकी से बढ़ती है याददाश्त

दिन में थोड़ी सी झपकी लेने से याददाश्त बढ़ती है। इस अध्ययन के लिए दो समूहों में लोगों को बांटकर कुछ को सार्थक और कुछ को निरर्थक शब्द याद करने के लिए कहा। इसके बाद एक समूह को कुछ देर झपकी लेने कहा जबकि दूसरे समूह को टीवी पर अपनी पसंद का कार्यक्रम देखने के लिए कहा। जिस वर्ग ने झपकी ली थी, वह कठिन शब्दों को याद रखने में कामयाब रहा, जबकि दूसरा वर्ग कम शब्दों को याद रख पाया।

शराब छोड़ना चाहते हैं, तो धूम्रपान को कहें ना!

यदि आप शराब छोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, तो सिगरेट छोड़ने पर ध्यान दीजिए, यह आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होगा। धूम्रपान करने वालों द्वारा धूम्रपान न करने वालों की तुलना में शराब का सेवन दोबारा शुरू करने का जोखिम अधिक होता है। धूम्रपान छोड़ने वाले किसी भी व्यक्ति के स्वास्थ्य में सुधार होता है। शराब की आदत से छुटकारा पाने वाले वयस्क व्यक्ति का सिगरेट की लत से छुटकारा पाना अधिक महत्वपूर्ण है।

रीढ़ की हड्डी की चोट से मस्तिष्क को खतरा

रीढ़ की हड्डी में आई चोट प्रगतिशील मस्तिष्क को विकृत कर सकती है। यह बात एक नई रिसर्च में सामने आई है। एससीआई संज्ञात्मक समस्याओं और अवसाद के साथ व्यापक और निरंतर मस्तिष्क में सूजन पैदा कर सकती हैं, जिससे तंत्रिका कोशिकाओं की प्रगति बाधित होती है। पृथक एससीआई से प्रमुख मस्तिष्क क्षेत्रों में मस्तिष्क कोशिकाओं की प्रगति में नुकसान हो सकता है।

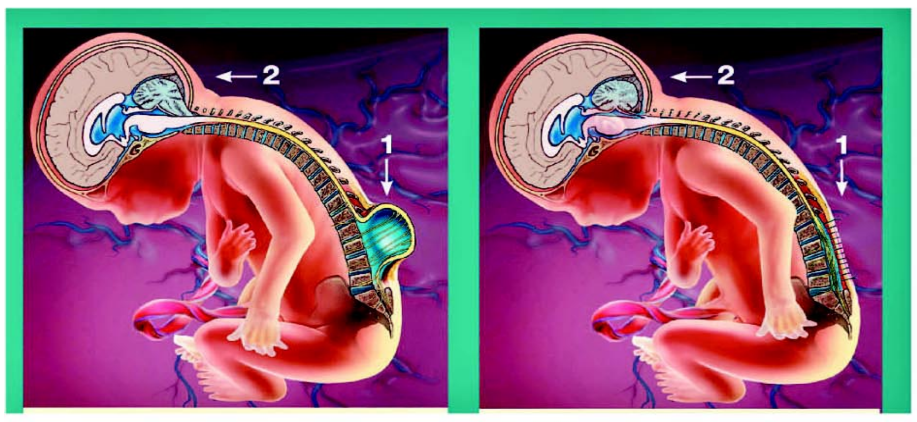

जन्मदोष बीमारी है स्पाइना बिफिडा

स्पाइना बिफिडा जन्मदोष है जो तंत्रीकीय नाल की विकृति है। इसमें रीढ़ की हड्डी या मेरु रज्जु में एक दरार युक्त घेरा बना होता है। स्पाइना बिफिडा भ्रूण न्यूरल ट्यूब के अधूरे समापन के कारण होता है। स्पाइना बिफिडा शब्द लैटिन शब्द स्पाइना से बना है जिसका मतलब स्पाइन या रीढ़ होता है। इसी तरह बिफिडा का मतलब दरार होता है। इस लेख में हम लोग स्पाइना बिफिडा के कारण, लक्षण और इसके उपचार के बारे में जानेंगे।

क्या है स्पाइना बिफिडा?

गर्भाधारण के पहले महीने में भ्रूण प्राथमिक ऊतक में बदलना शुरू होता है जिसे न्यूरल ट्यूब कहते हैं। फिर इसमें नर्व, ऊतक और हड्डियां बनने लगती हैं जो नर्वस सिस्टम और स्पाइन में बदलती है। यहीं से स्पाइना बिफिडा की समस्या शुरू होती है अगर ट्यूब अधूरा बंद होता है जिससे स्पाइन में किसी तरह की दरार बन जाती है।

स्पाइना बिफिडा से जुड़े तथ्य

- स्पाइना बिफिडा स्पाइनल कॉलम से जुड़ा जन्मदोष है। माइलोमेनिंगोसील एक गंभीर तरह का स्पाइना बिफिडा है।
- 1,000 में से एक बच्चा माइलोमेनिंगोसील स्पाइना बिफिडा के साथ पैदा होता है।
- स्पाइना बिफाडा में, स्पाइनल कॉलम संक्रमत होने के लिए काफी असंवेदनशील माना जाता है क्योंकि ये खुला होता है।
- मरीज बहुत ही ज्यादा सेरेब्रोस्पाइनल फ्लुइड पैदा करते हैं जिससे हाइसिफेलस बन जाता है।
- हाइसिफेलस से ये और भी अधिक खतरनाक हो जाता है।
- स्पाइना बिफिडा के सही कारण का अब तक पता नहीं चला है।
- डायबिटिज से पीड़ित महिलाओं को स्पाइना बिफिडा ग्रस्त बच्चे पैदा होने के ज्यादा चांस होते हैं।
- इसमें दरार वाली जगह के नीचे की पेशियां कमजोर हो जाती हैं या उसके नीचे के हिस्से में लकवा मार जाता है। कई मामलों में मल-मूत्र विसर्जन पर नियंत्रण नहीं रह जाता।

तीन तरह का है स्पाइना बिफिडा

स्पाइना बिफिडा ओक्युल्टा- रीढ़ की हड्डियों को नुकसान पहुंचा बिना उसमें एक छेद होता है।

मेनिंगोसील- रीढ़ की हड्डी में एक छेद होता है जिससे मेरुरज्जु की सुरक्षा कवच में दबाव के कारण वो थैली के रूप में बाहर बनकर आ जाती है। इसे मेनिंगोसील कहते हैं। इसमें मेरुरज्जु सुरिक्षत रहती है और नर्वस सिस्टम को मामूली क्षति पहुंचाकर या बिना कोई क्षति पहुंचाए इसकी मरम्मत की जा सकती है।

माइलोमेनिंगोसील- यह गंभीर तरह का स्पाइना बिफिडा है। इसमें मेरुरज्जु का एक हिस्सा पीठ की तरफ़ से बाहर निकल कर आ जाता है। कुछ मामलों में ये स्पाइना बिफिडा पुटिका त्वचा से ढंकी रहती है, तो कुछ में ऊतक और तंत्रिकाएं अनावृत हो जाती हैं।

लक्षण

- स्पाइना बिफिडा के लक्षण इसकी गंभीरता पर निर्बर करते हैं।
- स्पाइना बिफडा ओक्युल्टा में किसी भी तरह के लक्षण देखने को नहीं मिलते।
- कई मामलों में हल्का सा दोष मेरुरज्जु में देखने को मिलता है जैसे बालों का उगना, डिम्पल या उस स्थान पर हल्का सा फैट जमना।

क्या हैं उपचार

- स्पाइना बिफिडा से पीड़ित बच्चा किसी भी परिवार में पैदा हो सकता है।
- गर्भावस्था में औरतों को चीजों का सेवन सोच-समझकर करना चाहिए। चीजें गर्भ को काफी प्रभावित करती हैं।
- गर्भावस्था के पहले और शुरुआती समय में फ़ॉलिक एसिड के सेवन करने से गर्भस्थ शिशु के स्पाइना बिफ़डि और दूसरे तंत्रिका नाल विकारों से ग्रस्त होने की संभावना कम होती है।

आखिर क्यों होता है हाथी पांव ?

दुनिया में अजीब-अजीब तरह की बीमारियां है जिसके बारे में सोच कर ही इंसान की रुहें कांप जाती हैं। ऐसे में सोचा जा सकता है कि जब ये किसी को हो तो उसकी क्या हालत होगी? इन्हीं अजीब बीमारियों की गिनती में सबसे पहले फाइलेरिया की गिनती होती है जिसे आम भाषा में हाथी का पांव भी कहा जाता है। दरअसल इसमें इंसान के शरीर का कोई भाग हाथी या हाथी के पांव की तरह मोटा होने लगता है। इस लेख में इस बीमारी के बारे में विस्तार से जानें।

क्या है फाइलेरिया या हाथी पांव

फाइलेरिया या फाइलेरियासिस परजीवी के कारण होने वाला रोग है। ये परजीवी धागे के समान दिखता है जिसे फाइलेरिओडी (Filarioidea) कहते हैं। यह एक तरह का संक्रामक उष्णकटिबन्धीय रोग है मतलब ये गर्म प्रदेशों में अधिक होता है। इसलिए यह बीमारी पूर्वी भारत, मालाबार और महाराष्ट्र के पूर्वी इलाकों में बहुत अधिक फैली हुई है।

क्यूलैक्स मच्छर इसका कारक

- सामान्य तौर पर क्यूलैक्स मच्छर को इस बीमारी का कारक माना जाता है।
- यह कृमिवाली बीमारी है जिसमें कृमि शरीर के लसिका तंत्र की नलियों में होते हैं और इन नलियों को बंद कर देते हैं।
- इसके संक्रमण से लसीका अपना कार्य करना बंद कर देते हैं।
- ये कृमि बहुत छोटे आकार के होते हैं जो क्यूलैक्स मच्छर के काटने से शरीर में प्रवेश करते हैं।
- यह व्यस्क कृमि में लाखों की संख्या में छोटी-छोटी कृमि पैदा करने की क्षमता होती है।
- बीमार इंसान से मच्छर खून चूसकर इस कृमि को दूसरे स्वस्थ मनुष्य तक पहुंचाते हैं।

इस बीमारी होने का पूरा चक्र

क्यूलैक्स मच्छर मलखाने, नालियों और गड्ढों के गंदे पानी में पनपते हैं। इस मच्छर को इसके पीठ के कूबड़ और इसकी विशेष गूंज द्वारा इसे पहचाना जा सकता है। पानी में टेढ़े होकर इस मच्छर के लार्वे तैरते हैं। जब क्यूलैक्स मच्छर किसी इंसान को काटता है तो फाइलेरिया के छोटे कृमि उस इंसान के अंदर पहुँच जाते हैं। इंसान की लसिका तंत्र में ये छोटे कृमि कुछ ही दिनों में बड़े होकर पुरुष और मादा जीवों में बदल जाते हैं और लसिका नलियों को संक्रमित कर देते हैं जिससे लसिका तंत्र बंद हो जाता है। शरीर के अंदर एक वयस्क कृमि लसिका वाहिकाओं में समागम करके खूब सारे सूक्ष्म फाइलेरिया बनाता है। ये सूक्ष्म फाइलेरिया का जीवन 2 से 3 साल तक होता है और वयस्क कृमि लगभग बारह साल तक इंसान के शरीर में रहते हैं।

ये सूक्ष्म फाइलेरिया शरीर के अंदर खून में घूमते हैं। ये कृमि विशेष तौर पर रात में खून में घूमते हैं। क्यूलैक्स मच्छर जब अस्वस्थ इंसान का खून चूसता है तो वह उसके दूषित खून के द्वारा इन सूक्ष्म फाइलेरिया को अपने अंदर ले लेता है। ये सूक्ष्म फाइलेरिया 10 से 15 दिनों के अंदर संक्रमण पैदा करने वाले लार्वा के रुप में विकसित होते हैं। जिसके बाद ये मच्छर बीमारी पैदा कर पाने में समर्थ हो जाते हैं और दूसरे स्वस्थ वाला होता है। इस तरह यह चक्र चलता रहता है।

फाइलेरिया के लिए घरेलू उपाय

फाइलेरिया के घरेलू उपचार के लिए काले अखरोट का तेल रामबाण है। फाइलेरिया ग्रस्त इंसान को गर्म पानी में काले अखरोट के तेल की तीन से चार बूंद डालकर पीना चाहिए। इस मिश्रण को दिन में सुबह-शाम दो बार पिएं। अखरोट के अंदर मौजूद गुण फाइलेरिया के कृमि को मारने में सक्षण हैं। जल्दी से जल्दी राहत पाने के लिए छह हफ्तों तक ये मिश्रण पिएं।

लक्षण

फाइलेरिया रोग में इंसान के शरीर का कोई भाग बहुत अधिक फूलने लगता है। अकसर ये हाथ या पैरो में ही होता है लेकिन कई बार ये स्तनों और गुदा के हिस्से में भी होता है। इसके लक्षण निम्न हैं-

- शरीर के संक्रमित होने के कुछ सालों बाद इसके लक्षण दिखते हैं।
- इसमें गुप्तांग एवं जांघों के बीच गिल्टी हो जाती है जो बहुत अधिक फूल जाती है और इसमें काफी दर्द रहता है।
- एक या दोनों हाथ व पैरों में बहुत अधिक सूजन होना। लेकिन ये अधिकतर पैरों में ही होता है जिस कारण इसे हाथी पांव कहते है।
- गले में बहुत अधिक सूजन आ जाती है।
- पैरों व हाथों की लसिका वाहिकाएं लाल हो जाती हैं जिससे पैरों में लाल धारियां पड़ जाती है।
- पुरूषों के अंडकोष संक्रमित होकर फूल जाते हैं।
- शरीर में कंपकपी आना और बुखार होना।

हाथी पांव का इलाज

- इस बीमारी का इलाज इसके प्रारंभिक चरण में ही शुरू कर देना चाहिए।
- फाइलेरिया फैले हुए क्षेत्र में जाने से बचें। अगर उस क्षेत्र में आप रहते हैं तो मच्छरों से दूर रहने के पूरे उपाय करें और शरीर को ढकने वाले पूरे कपड़े पहनें।
- अपने क्षेत्र में मच्छरों को मारने के लिए छिड़काव करें।
- क्यूलैक्स मच्छर सुबह और शाम को काटता है इसलिए सुबह और शाम को विशेष तौर पर मच्छरों से बचकर रहें।
- फाइलेरिया की गोली लें।

पार्टी के बाद होने वाले हैंगओवर से बचने में मदद करेंगे ये कारगर नुस्खे

नए साल का जश्न हो और ड्रिंक की बात न हो तो पार्टी फीकी मानी जाती है। लेकिन पार्टी के चक्कर में लोग कई बार इतनी ज्यादा ड्रिंक कर लेते हैं, जिससे नए साल का बाकी बचा दिन ज्यादातर सोते और रोते बीतता है। तो इसे हैपनिंग बनाने के लिए जरूरी है नशे के खुमार को उतारना, जानेंगे कैसे।

केला

बहुत ज्यादा हैंगओवर हो रखा है तो एक साथ दो से तीन केले खाएं। इसमें मौजूद मैग्नीशियम जहां ब्लड वेसेल्स को रिलैक्स करता है वहीं पोटैशियम इलेक्ट्रोलाइट को बैलेंस करता है। जो हैंगओवर से छुटकारा दिलाने में फायदेमंद होते हैं।

आलू

हैंगओवर होने पर आलुओं को बिना छिले इस्तेमाल करें। पोटैशियम की मात्रा लिए हुए आलू हैंगओवर उतारने का कारगर फॉमूर्ला होता है। इसे हल्का फ्रॉय करके खाना टेस्टी होने के साथ ही हेल्दी भी होता है।

दही

किसी भी ऐसे फूड जिसमें कैल्शियम की मात्रा अच्छी होती है वो सिर के दर्द को दूर करने में बहुत ही असरदार होता है। दही में बहुत सारा कैल्शियम होता है जिसे खाकर हैंगओवर से निपटा जा सकता है।

ऑयली फूड्स

पार्टी के बाद होने वाले हैंगओवर से बचने के लिए पार्टी में जाने से पहले ऑयली फूड्स खाना फायदेमंद रहेगा। ऑयली

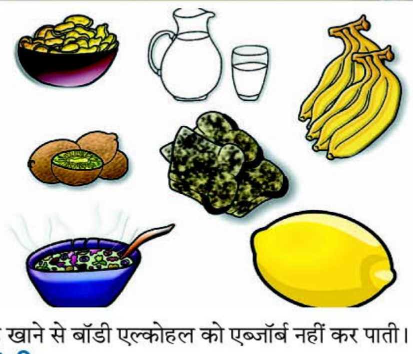

फूड खाने से बॉडी एल्कोहल को एब्जॉर्ब नहीं कर पाती।

कॉफी

हैंगओवर के कारण हो रहे सिरदर्द को कॉफी पीकर काफी हद तक दूर किया जा सकता है। लेकिन दूध वाली कॉफी के बजाय ब्लैक कॉफी पिएं। इसमें मौजूद कैफीन जल्द असर करता है।

नारियल पानी

हैंगओवर दूर करने के लिए नारियल पानी पीना फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद मिनरल्स पेट साफ करने का काम करते हैं। बहुत ज्यादा हैंगओवर होने पर जितनी बार हो सके इसे पिएं।

पानी

पानी बॉडी के टॉक्सीफिकेशन के लिए सबसे जरूरी और आसानी से अवेलेबल होने वाली चीज है। ज्यादा एल्कोहल पीने से बॉडी में पानी की कमी हो जाती है। इससे बचने के लिए ड्रिंक के साथ भी और ड्रिंक के बाद भी ज्यादा से ज्यादा मात्रा में पानी पिएं।

नींबू,चीनी,नमक

चीनी और नमक का घोल हैंगओवर दूर करने का सबसे कारगर फॉमूर्ला माना गया है। एल्कोहल के कारण बॉडी में कम हुई पानी की मात्रा को इसे पीकर दूर किया जा सकता है।

शहद

हैंगओवर दूर करने के लिए शहद पीना भी अच्छा ऑप्शन है। इसमें मौजूद फ्रक्टोज बॉडी के लिए अच्छा होता है। चाहे तो शहद को सीधे खा भी सकते हैं या पानी में मिलाकर पिया भी जा सकता है।

फ्रूट जूस

घरेलू नुस्खे के तौर पर फ्रूट जूस पिएं क्योंकि ये विटामिन्स और फाइबर से भरपूर होते हैं। काले नमक और नींबू की थोड़ी ज्यादा मात्रा जूस में मिलाकर पिएं। काला नमक और फ्रूट में मौजूद फाइबर बॉडी के सारे टॉक्सिक को बाहर निकाल देता है जिससे हैंगओवर से राहत मिलती है।

अदरक

अदरक के छोटे-छोटे टुकड़े कर इसे पानी के साथ उबालें। इसमें अजवायन और नींबू का रस डाल सकते हैं। थोड़ा उबालने के बाद इसे छानकर इसका पानी पीने से भी हैंगओवर दूर होता है।

रेसिपी

चाइनीज फ्राइड राइस

सामग्री

1 कप बासमती चावल, 1 कप बंद गोभी, 1/2 कप गाजर, 1/4 कप फ्रेंच बिन्स, 1/2 कप पनीर, 1/4 कप शिमला मिर्च, 2 टेबल स्पून हरा धनिया, 2 -4 टेबल स्पून तेल, 2 हरी मिर्च, नमक स्वादानुसार, 1 इंच अदरक, 1 छोटा चम्मच ग्रीन चिली सॉस, 2 छोटा चम्मच सोया सॉस, 2 छोटा चम्मच सिरका

विधि

सबसे पहले पैन में तेल डाल कर गरम लीजिए। तेल के हल्का गरम होने पर पनीर के टुकड़े पैन में सिकने के लिए डाल दीजिए और हल्के ब्राऊन होने तक सेक कर निकाल लीजिए। तेल में गाजर, बीन्स, शिमला मिर्च, पत्ता गोभी डालकर 1-2 मिनट तेज आंच पर फ्राई कर लीजिए। अब इसमें हरी मिर्च, अदरक, ग्रीन चिल्ली सॉस, सोया सॉस, सिरका, पनीर के टुकड़े डालकर अच्छी तरह मिला दीजिए। नमक और चावल डालकर सभी चीजों को 2 मिनट लगातार चलाते हुए अच्छे से मिलाते हुए पका लें। चावलों के सब्जियों में अच्छे से मिल हो जाने पर थोड़ा सा हरा धनिया डालकर मिलाए। चाईनीज फ्राइड राइस बनकर तैयार हैं। चाईनीज फ्राइड राइस को प्लेट में निकाल कर हर धनिये से गार्निश कीजिए और परोसिए।

भाखरी पिज़्ज़ा

सामग्री

1/2 कप बाजरे का आटा, 1/2 कप ज्वार आटा, 2 स्पून तेल, नमक स्वादअनुसार, **पिज़्ज़ा सॉस**: 3/4 कप हल्के उबले टमाटर , 1 स्पून जैतून तेल, 1 स्पून लहसुन, 1/4 कप प्याज, 2 स्पून प्याज़ पत्ते, 1 स्पून शक्कर,1 स्पून टमॅटो कैचप, 1 स्पून ऑरेगानो, 1 स्पून लाल मिर्च के फ्लैक्स, नमक स्वादअनुसार, **अन्य सामग्री**: 1/2 कप कसा हुआ चीज

विधि

आटे के लिए: सभी सामग्री को एक बाउल मे मिलाकर, ज़रुरत हो उतने पानी का प्रयोग कर सख्त आटा गूंथ लें और 10 मिनट के लिए एक तरफ रख दें। **पिज़्ज़ा सॉस के लिए**: एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में जैतून का तेल गरम करें, लहसुन डालकर मध्यम आंच पर 30 सेकेन्ड तक भून लें। प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर और 1-2 मिनट के लिए या उनके पार्दशी होने तक भून लें। हरी प्याज के पत्ते डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर और 30 सेकन्ड तक भून लें। हल्के उबले हुए टमाटर डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 2 से 3 मिनट तक पका लें। शक्कर और टमॅटो कैचप डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर और 1 से 2 मिनट तक पका लें। ऑरेगानो, चिली फ्लैक्स् और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर और 1 मिनट तक पका लें। आंच से हठाकर एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी**: आटे को 6 भाग में बांट लें और प्रत्येक भाग को अपनी हथेली के बीच दबाते हुए, गोल आकार में फैला लें एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और प्रत्येक भाखरी के दोनो तरफ गुलाबी दाग पड़ने तक पका लें। सूती कपड़े का प्रयोग कर, भाखरी को धीमी आंच पर दबाते हुए, उनके दोनो तरफ से करारा और सुनहरा होने तक पकाते रहें। तवे पर रखकर ही, उपर 2 टेबल-स्पून पिज़्ज़ा सॉस डालकर 1 टेबल-स्पून चीज छिड़के। ढककन से ढककर 2 मिनट तक पका ले। तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**